CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-102
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

ज्ञान में पूंजी लगाने से सर्वाधिक ब्याज मिलता है। - बेंजामिन फ्रेंकलिन

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, बुधवार 17 जुलाई 2024

सिंगल कॉलम

संसद के बजट सत्र से पहले सरकार ने 21 जुलाई को बुलाई सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र से पहले सरकार ने 21 जुलाई को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस दौरान केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू संसद के दोनों सदनों में राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बैठक करेंगे। सर्वदलीय बैठक 21 जुलाई को सुबह 11 बजे दिल्ली के संसदीय सौध स्थित मुख्य समिति कक्ष में होगी। संसद का बजट सत्र 22 जुलाई को शुरू होगा। सत्र 12 अगस्त को समाप्त हो सकता है। सत्र शुरू होने से पहले सभी दलों के सदन के नेताओं की इस पारंपरिक बैठक में पहली बार नेता प्रतिपक्ष के रूप कांग्रेस सांसद राहुल गांधी शामिल होंगे। वहीं, तृणमूल कांग्रेस का कोई भी प्रतिनिधि इस बैठक में शामिल नहीं होगा। इसकी वजह बताई गई कि टीएमसी 21 जुलाई को शहीद दिवस के रूप में मनाती है। तृणमूल कांग्रेस संसदीय दल के नेता डेरेक ओब्रायन ने रिजिजू को पत्र लिखकर बताया कि उनकी पार्टी इस बैठक में शामिल नहीं हो पाएगी। उन्होंने कहा कि 30 वर्षों से 21 जुलाई को बंगाल में हमारे 13 साथियों के सम्मान में शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो 1993 में पुलिस की गोलीबारी में गैरकानूनी रूप से मारे गए थे।

कैमलिन स्याही व पीला ज्योमैट्री बॉक्स देने वाले सुभाष दांडेकर नहीं रहे

मुंबई। स्टेशनरी ब्रांड कोकुयो कैमलिन के चेयरमैन सुभाष दांडेकर का 86 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार सेंट्रल मुंबई में किया गया। दांडेकर ने कैमलिन को गुणवत्तापूर्ण स्टेशनरी और शैक्षिक उत्पादों के पर्याय के रूप में एक घरेलू नाम को स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनका निधन एक प्रतिष्ठित ब्रांड के लिए एक युग के अंत का प्रतीक है। कैमलिन ब्रांड की स्थापना करने वाले परिवार में जन्मे, सुभाष दांडेकर ने न केवल एक व्यवसाय बल्कि एक विरासत का नेतृत्व किया। कैमलिन की स्थापना मूल रूप से 1931 में दिगंबर परशुराम दांडेकर ने की थी। सुभाष दांडेकर के दूरदर्शी नेतृत्व में कंपनी ने अपने क्षितिज का विस्तार किया। 1960 में, उन्होंने कला सामग्री में कंपनी के विविधीकरण का नेतृत्व किया। कंपनी ने इस दौरान ऑफिस स्टेशनरी और पेशेवर कलाकारों से जुड़े उपकरणों को शामिल कर अपनी उत्पाद श्रृंखला का विस्तार किया। उनके इस कदम से केमलिन घर-घर में एक जाना-माना नाम बन गया। प्रतिष्ठित पीला जियोमैट्री बॉक्स देशभर के स्कूलों में प्रचलित हो गया। कैमलिन में दांडेकर का कार्यकाल कई महत्वपूर्ण मील के पत्थर का गवाह बना। जिसमें 2011 में जापानी कंपनी कोकुयो द्वारा बहुमत हिस्सेदारी का अधिग्रहण शामिल था।

कल फिर से खोला जाएगा जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार

पुरी। पुरी का रत्न भंडार गुरुवार को फिर से खोला जाएगा। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने मंगलवार को कहा कि रत्न भंडार का आंतरिक कक्ष गुरुवार को सुबह 9.51 बजे से दोपहर 12.15 बजे के बीच फिर से खोला जाएगा। इस दौरान आभूषणों को मंदिर में स्थित अस्थायी कोषागार में स्थानांतरित किया जाएगा। यह फैसला मंगलवार को एसजेटीए के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाधी, रत्न भंडार को खोलने के दौरान देखरेख के लिए राज्य सरकार की ओर से नियुक्त पर्यवेक्षक समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति विश्वनाथ रथ, पुरी के जिलाधिकारी और अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में हुई बैठक में लिया गया। इससे पहले रत्न भंडार को 46 साल बाद रविवार को बहुमूल्य वस्तुओं की सूची बनाने और इसकी संरचना की मरम्मत के लिए खोला गया था। न्यायमूर्ति रथ ने कहा कि चूंकि सभी बक्सों को स्थानांतरित करना संभव नहीं है, इसलिए इन बक्सों में रखे कीमती सामान और आभूषणों को मंदिर परिसर में स्थापित अस्थायी कोषागार में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। इसके लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने के साथ ही आवश्यक सुरक्षा उपाय किए गए हैं।

डुकम बंदरगाह के पास टैंकर जहाज पलटा

13 भारतीयों समेत 16 क्रू मेम्बर्स लापता

ओमान के तट पर सोमवार को एक तेल टैंकर जहाज पलट गया। इसके बाद से ही जहाज के 16 क्रू मेम्बर्स लापता हैं। इस क्रू में 13 भारतीय और 3 श्रीलंकाई नागरिक शामिल थे। शिप यमन के अदन बंदरगाह की ओर जा रहा थाओमान के मेरिटाइम सिक्योरिटी सेंटर ने इसकी पुष्टि की है। रेस्क्यू टीम ने सभी लापता क्रू मेम्बर्स की तलाशी के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू किया, लेकिन घटना के 8 घंटे बाद भी कोई क्रू मेम्बर नहीं मिल सका है। कॉमोरस झंडा वाला तेल टैंकर प्रेस्टीज फाल्कन ओमान के दक्षिण पश्चिमी तट पर 25 समुद्री मील दूर रस मादराखा के पास पलट गया। यह टैंकर शिप 2007 में बनकर तैयार हुआ था। इसकी लंबाई 117 मीटर है। MSC ने बताया कि टैंकर के चालक दल के सदस्य अभी भी लापता हैं। क्रू मेम्बर्स को ढूंढ़ने के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। यह हादसा डुकम बंदरगाह के पास हुआ। डुकम पोर्ट ओमान के सबसे बड़े औद्योगिक क्षेत्र का हिस्सा है। यह क्षेत्र तेल और गैस खनन परियोजनाओं के लिए महत्वपूर्ण है, जिसमें एक बड़ा तेल रिफाइनरी भी शामिल है। यह क्षेत्र ओमान की सबसे बड़ी आर्थिक परियोजना है। यह बंदरगाह ओमान की अर्थव्यवस्था में अहम योगदान देता है।

सीबीआई ने मुख्य आरोपी सिविल इंजीनियर पंकज कुमार उर्फ आदित्य समेत दो लोगों को किया गिरफ्तार

एनटीए के ट्रंक से ही चोरी हो गया नीट-यूजी पेपर

रांची/हजारीबाग। सीबीआई ने राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) पेपर लीक मामले में मुख्य आरोपी समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोप हैं कि मुख्य आरोपी ने झारखंड के हजारीबाग में राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के ट्रंक से कथित तौर पर पेपर चुराया था। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि इन दो गिरफ्तारियों के साथ ही मेडिकल प्रवेश परीक्षा में लीक, नकल और अन्य अनियमितताओं से संबंधित मामलों में गिरफ्तार किए गए लोगों की कुल संख्या अब 14 हो गई है। सीबीआई ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी जमशेदपुर के 2017 बैच के सिविल इंजीनियर पंकज कुमार उर्फ आदित्य को गिरफ्तार किया है, जिसने हजारीबाग में एनटीए ट्रंक से नीट-यूजी पेपर चुराया था। बोकारो निवासी पंकज कुमार को पटना से गिरफ्तार किया गया। सीबीआई ने राजू सिंह को भी गिरफ्तार किया है, जिसने कथित तौर पर पेपर चुराने और गिरोह के अन्य सदस्यों को पेपर देने में पंकज कुमार की मदद की थी। राजू को हजारीबाग से गिरफ्तार किया गया। इससे पहले हजारीबाग में स्थित ओएसिस स्कूल के प्रधानाचार्य, उप प्रधानाचार्य और कथित तौर पर नीट परीक्षार्थियों को ठहरने के लिए वह फ्लैट उपलब्ध कराने वाले दो व्यक्तियों को भी गिरफ्तार किया गया था, जहां से बिहार पुलिस ने जले हुए प्रश्नपत्र बरामद किए थे।

पेपर लीक की शुरुआत हजारीबाग से हुई

सीबीआई ने पहले नीट-यूजी पेपर लीक के मूल स्थान के रूप में हजारीबाग पर ध्यान केंद्रित किया था। सीबीआई ने जांच में कहा था कि यह पेपर हजारी बाग के ओएसिस स्कूल से लीक हुआ था। साथ ही, वहां पहुंचे दो सेट पेपर की सील टूटी हुई थी और इस मुद्दे को उठाने के बजाय स्कूल के कर्मचारी चुप रहे। बता दें कि, एसबीआई हजारीबाग से कई केंद्रों पर प्रश्नपत्रों के 9 सेट भेजे गए थे। जबकि, ओएसिस स्कूल केंद्र पर जो प्रश्नपत्र पहुंचे, उनकी सील टूटी हुई थी। वहां के कर्मचारियों ने कोई आपत्ति नहीं जताई थी, जिसमें उनकी भूमिका भी थी।

एक दिन पहले गेस्ट हाउस पर छापा

सीबीआई टीम 2 दिन से हजारीबाग आना-जाना कर रही थी। टीम ने सोमवार को हजारीबाग के रामनगर स्थित राज गेस्ट हाउस पर छापा मारा। इससे पहले राज गेस्ट हाउस के मालिक राजकुमार सिंह उर्फ राजू के कदमा स्थित घर में रेड की थी। टीम राजू को हिरासत में लेकर राज गेस्ट हाउस पहुंची। टीम ने उससे गेस्ट हाउस खोलने के लिए चाबी की मांग की। जब चाबी नहीं मिली तो टीम ने ताला तोड़ दिया। टीम ने गेस्ट हाउस को घंटों खंगाला। यहां से कई संदिग्ध दस्तावेज टीम के हाथ लगे हैं। सोमवार देर शाम 7 बजे सीबीआई की टीम राजकुमार उर्फ राजू को अपने साथ पटना ले गई।

ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर की ट्रेनिंग रद्द, अकादमी ने वापस बुलाया

मुंबई। विवादों में घिरीं ट्रेनी आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर पर बड़ी कार्रवाई की गई है। उनकी ट्रेनिंग को रद्द करते हुए वापस अकादमी आने के निर्देश दे दिए गए हैं। बताया गया कि उन्हें महाराष्ट्र सरकार के जिला प्रशिक्षण कार्यक्रम से मुक्त कर दिया गया है। अतिरिक्त मुख्य सचिव नितिन गद्रे के पत्र के मुताबिक, एलबीएसएनएए, मसूरी ने आपके जिला प्रशिक्षण कार्यक्रम को स्थगित रखने और आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए आपको तुरंत वापस बुलाने का फैसला किया है। मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) की ओर से जारी एक पत्र में यह जानकारी दी गई। इसमें कहा गया कि पूजा दिलीप खेडकर के जिला प्रशिक्षण कार्यक्रम को रोकने का फैसला हुआ है। साथ ही, आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए उन्हें तुरंत वापस बुलाया गया है। एलबीएसएनएए की ओर से 16 जुलाई को एक आधिकारिक नोटिस जारी हुआ। इसके अनुसार, पूजा खेडकर फिलहाल महाराष्ट्र के वाशिम में सुपर न्यूमेरी असिस्टेंट कलेक्टर के पद पर हैं। राज्य में उन्हें उनके प्रशिक्षण कर्तव्यों से मुक्त किया जाता है। साथ ही, खेडकर को 23 जुलाई से पहले अकादमी में वापस रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है। 34 वर्षीय पूजा खेडकर सिविल सेवा परीक्षा में चुने जाने के लिए कपटपूर्ण तरीके का इस्तेमाल करने के आरोपों का सामना कर रही हैं। 2023 बैच की अधिकारी खेडकर पर पुणे में तैनाती के दौरान विशेषाधिकारों का दुरुपयोग करने का आरोप है। यह भी सामने आया है कि विवादास्पद उन्होंने 2007 में प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में प्रवेश पाने के लिए फिटनेस सर्टिफिकेट प्रस्तुत किया था। जबकि उन्होंने संघ लोक सेवा आयोग को कई मेडिकल सर्टिफिकट दिए थे, जिनमें से एक दृष्टि संबंधी दिव्यांगता को दर्शाता है।

केंद्र सरकार की स्थिरता को लेकर कांग्रेस के दुष्प्रचार में दम नहीं, पूरा करेगी कार्यकाल : केसी त्यागी

सुरेंद्र सिंघल, वरिष्ठ पत्रकार

नई दिल्ली। कांग्रेस और उसके सहयोगी दल केंद्र में हाल ही में बनी एनडीए सरकार की स्थिरता को लेकर लगातार देश में भ्रम फैला रहे हैं कि यह सरकार जल्द गिर जाएगी। सरकार को समर्थन दे रहे एक बड़े घटक दल जनता दल यूनाइटेड के सलाहकार एवं मुख्य प्रवक्ता केसी त्यागी ने आज विपक्ष के दुष्प्रचार का दो टूक जवाब दिया। बोले कि कुछ अंतराल को छोड़कर जेडीयू अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी के समय से ही एनडीए के आकार लेने के समय से ही भाजपा की सहयोगी रही है। 75 साल के होने जा रहे कृष्णचंद त्यागी जो केसी त्यागी के नाम से जाने जाते हैं और जिनकी सदैव ही नागरिकों की लोकतांत्रिक अधिकारों, अभिव्यक्ति की आजादी और प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर प्रतिबद्धता रही है, ने यह बाते वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र सिंघल से खास बातचीत में कही। केसी त्यागी पश्चिमी उत्तर प्रदेश के पांच दशकों से जाना-माना सियासी चेहरा रहे हैं। उन्होंने चौधरी चरण सिंह, शरद यादव, मुलायम सिंह यादव, चौधरी अजीत सिंह, जार्ज फर्नांडिस, नीतीश कुमार के साथ काम किया है। उनका नीतीश कुमार के साथ अभी भी गहरा नाता बना है। केसी त्यागी अटल बिहारी वाजपयी के प्रशंसकों में भी हैं। उन्हें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का करीबी भी माना जाता है। केसी त्यागी एक बार लोकसभा और एक बार राज्यसभा के सदस्य रहे हैं। कई मौकों पर उनकी निजी विचारधारा और सोच राजनीतिक उपलब्धियां हासिल करने में बाधा साबित हुई लेकिन इसका उन्हें मलाल नहीं है। केसी त्यागी ने कहा कि जेडीयू का बीजेपी को समर्थन बिना शर्त है। उन्होंने कहा कि बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार आराम से चल रही है। बिहार प्रांत बंटने के बाद गरीबी, बदहाली, बेरोजगारी और पलायन की मार झेल रहा है। उसे विकसित राज्य बनाने के लिए और उद्योगों में निवेश के लिए आकर्षित करने के लिए वहां नए हवाई अड्डों, नए उद्योगों, मेडिकल कालेजों के लिए आर्थिक पैकेज की बहुत जरूरत है। जेडीयू उम्मीद करती है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस पर जल्द ही ध्यान देंगे। केसी त्यागी ने स्वीकार किया कि यदि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से कुछ गलतियां न हुई होती और उनके नेता बेकार की जिद ना किए होते तो जेडीयू इंडिया गठबंधन से बाहर नहीं आती। जेडीयू चाहती थी कि नीतीश कुमार संयोजक बनाए जाएं। लेकिन प्रधानमंत्री पद जैसी कोई बात नहीं थी। यह अलग बात है कि दिल्ली में कांग्रेस में पीएम पद को लेकर राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के नामों को लेकर सुगबुगाहट थी। कांग्रेस के गैर पेशेवराना रवैए ने इंडिया गठबंधन को क्षति पहुंचाई। यदि ऐसा ना होता तो इंडिया गठबंधन केंद्र में सत्तारूढ़ हो जाता। अंत में केसी त्यागी ने दृढ़ता से कहा कि केंद्र की एनडीए सरकार पांच साल चलेगी। उसे कोई खतरा नहीं है। कांग्रेस इस सरकार को अस्थिर नहीं कर पाएगी। एनडीए सरकार के कामकाज पर हमारी नजर रहेगी।

मध्यप्रदेश में सब्जी के बाद सांची दूध भी हुआ महंगा

लोग बोले- कहीं 100 रुपए लीटर न हो जाएं दाम

भोपाल। मध्यप्रदेश में दूध के दाम बढ़ गए हैं। प्रदेश में सांची दूध के दामों में बढ़ोतरी हुई है। करीब ढाई साल बाद सांची ने दूध में 2 रुपए प्रति लीटर बढ़ाए हैं। सांची का चाय स्पेशल दूध 50 रुपए लीटर से बढ़कर 52 रुपये लीटर हो गया है। सांची टोंड मिल्क 52 से बढ़कर 54 रुपए प्रति लीटर हो गया है। फुल क्रीम दूध के दाम 64 से बढ़कर 66 रुपए लीटर हो गए हैं। दूध के दामों में बढ़ोतरी को लेकर लोगों ने कहा कि भले ही यह बढ़ोतरी 2 रुपए की है, लेकिन इससे घर के बजट पर असर पड़ता है। क्योंकि, महंगाई के दौर में हर चीज महंगी होती है तो फर्क पड़ता है। गौरतलब है कि प्रदेश में दूध की मांग और पूर्ति को देखते हुए दुग्ध संघ ने यह फैसला किया। प्रदेश में दूध की खपत लगातार बढ़ती जा रही है। कई बार शहरों में रात होते-होते यह स्थिति हो जाती थी कि दुकानों में दूध खत्म हो जाता है। इस तरह की परिस्थितियों के चलते दुग्ध संघ ने इसके दाम में बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। इसके अलावा महंगाई के चलते प्रदेश में हर चीज की लागत भी लगातार बढ़ती जा रही है। ग्राहकों का कहना है कि दूध रोजमर्रा के इस्तेमाल की चीज है। इसका इस्तेमाल बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक करते हैं। पहले सांची दूध 60 रुपये लीटर था, अब यह बढ़ते-बढ़ते 66 रुपये प्रति लीटर हो गया है। डर यह है कि इसके दाम कहीं 100 रुपए लीटर न हो जाएं। सरकार को दाम बढ़ाने हैं तो दूसरी चीजों पर बढ़ाए दूध जैसी चीजों के दाम बढ़ाना ठीक नहीं है।

चांद पर मिली इंसानों की रहने लायक जगह, वैज्ञानिकों को मिली विशाल गुफा

केप केनवरल (अमेरिका)। चांद पर तमाम उपग्रह और यान भेजकर दुनियाभर के देश तरह-तरह के रहस्य उजागर कर रहे हैं। पिछले साल इसरो ने चंद्रयान-3 को चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतारकर इतिहास रच दिया था। चंद्रयान-3 ने चांद पर पानी, सल्फर समेत कई महत्वपूर्ण चीजों का पता लगाया और साबित किया कि भविष्य में चांद इंसानों के लिए रहने लायक विकल्प हो सकता है। इसी क्रम में वैज्ञानिकों ने चांद से एक और खुशखबरी दी है। वैज्ञानिकों ने चांद में इंसानों की रहने लायक जगह का पता लगा लिया है। इटली के वैज्ञानिकों ने चांद पर एक विशाल गुफा का पता लगाया है। यह स्थान 55 साल पहले नील आर्मस्ट्रांग और बज एल्ड्रिन के लैंडिंग प्लेस से थोड़ी दूर स्थित है। इस स्थान पर सैकड़ों गुफाएं हो सकती हैं।

गुफाओं में रह सकते हैं अंतरिक्ष यात्री

वैज्ञानिकों का मानना है कि चांद के जिस स्थान विशाल गुफा का पता लगा है, वहां ऐसी सैकड़ों और गुफाएं हो सकती हैं जिनका इस्तेमाल भविष्य में अंतरिक्ष यात्रियों के आश्रयस्थल के रूप में किया जा सकता है। इटली के वैज्ञानिकों के नेतृत्व वाली एक टीम ने बताया कि चंद्रमा पर अच्छी खासी बड़ी गुफा के साक्ष्य मिले हैं। यह अपोलो 11 के उतरने वाली जगह से सिर्फ 250 मील (400 किमी) दूर सी ऑफ ट्रैंक्विलिटी में है।

सुरंग आकार की गुफाएं

यह गुफा लावा ट्यूब (सुरंग की आकृति का ढांचा) के ढहने से बनी है जो कि वहां पाई गई 200 से अधिक अन्य गुफाओं की तरह है। शोधकर्ताओं ने नासा के लूनार रीकानिसन्स ऑर्बिटर द्वारा जुटाए गए रडार आंकड़ों का विश्लेषण किया और इसके नतीजों की तुलना पृथ्वी पर स्थित लावा ट्यूब से की। इसके निष्कर्ष नेचर एस्ट्रोनॉमी पत्रिका में प्रकाशित किए गए हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार रडार के आंकड़ों से गुफा के शुरुआती बिंदु का ही पता है। उनका अनुमान है कि यह कम से कम 40 मीटर चौड़ी और 10 मीटर, संभवत- इससे भी अधिक लंबी है।

50 साल से रहस्य बनी थीं चांद की गुफाएं

ट्रेंटो विश्वविद्यालय के लियोनार्डो कैरर और लोरेंजो ब्रूजोन ने एक ईमेल में लिखा कि चंद्रमा की गुफाएं 50 से अधिक वर्षों से रहस्य बनी हुई थीं। इसलिए, आखिरकार उनमें से किसी एक के बारे में पता लगाना काफी रोमांचक था। वैज्ञानिकों के अनुसार ऐसा प्रतीत होता है कि अधिकांश गुफाएं चंद्रमा के प्राचीन लावा मैदानी क्षेत्र में हैं। इसके अलावा, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भी इसी तरह की कुछ गुफाएं हो सकती हैं।

इंदौर में हुई बैंक लूट में रिटायर्ड फौजी निकला आरोपी

घर से चार लाख रुपए बरामद....आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस.....

प्रदीप चौधरी। सिटी चीफ। इंदौर, मंगलवार दिनदहाड़े विजयनगर क्षेत्र की पंजाब नेशनल बैंक में गोली चलाकर हुई लूट का खुलासा करने के करीब पुलिस पहुंच चुकी है । पुलिस ने रेनकोट पहनकर बैंक पहुंचे आरोपित की पहचान कर ली है । पुलिस आरोपित के रेनकोट और उसकी गाड़ी के सीसीटीवी से ढूंढते हुए हीरानगर और बाणगंगा तक पहुंची थी । प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आरोपित रिटायर्ड फौजी है और शीतल नगर का रहने वाला है । उसने ही गोली चलाकर 6 लाख से अधिक की राशि लूटी थी । पुलिस ने आरोपित के घर से चार लाख से अधिक की राशि बरामद भी की है । जबकि आरोपित फरार है । फिलहाल लूट के इस मामले में वजह क्या रही ये खुलासा नही हुआ है क्योंकि आरोपित अगर रिटायर्ड फौजी है तो उसे पेंशन और गार्ड का काम कर 50 हजार रुपए महीना तो मिलता ही है । इस कारण लूट की वजह का खुलासा आरोपित के पकड़े जाने के बाद हो पाएगा।

धार भोजशाला में हुई पूजा, सुप्रीम कोर्ट में हिंदू पक्ष ने लगाई मेंशन

इंदौर/धार। भोजशाला को लेकर एएसआई की टीम ने 98 दिनों की सर्वे रिपोर्ट हाईकोर्ट में सौंप दी है। इस मामले में 22 जुलाई को सुनवाई होगी। वहीं, पूर्व के अनुमति के अनुसार मंगलवार को हिंदू पक्ष के लोगों ने धूमधाम से भोजशाला परिसर में पूजा की। हिंदू पक्ष के लोगों ने भोजशाला में हनुमान चालीसा का पाठ किया। वहीं, 2003 के आदेश के अनुसार शुक्रवार को मुस्लिम समाज के लोग नमाज अदा करेंगे। रिपोर्ट सबमिट होने के बाद पहला मंगलवार था, इसकी वजह से बड़ी संख्या में हिंदू समाज के लोग पहुंचे। उधर, एएसआई की सर्वे रिपोर्ट आने के बाद हिंदू पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में मेंशन लगाकर रिपोर्ट के आधार पर फैसले पर लगी रोक हटाने और हाई कोर्ट को निर्णय लेने के लिए डायरेक्शन देने की मांग की है। मामले में 18-19 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो सकती है। हिंदू पक्ष और एएसआई को जवाब भी सुप्रीम कोर्ट में पेश करना है। बता दें कि 4 जुलाई को इंदौर हाईकोर्ट ने भी सुनवाई के दौरान मामले में सुप्रीम कोर्ट से पहले निराकरण करवाने की बात कही है। 22 जुलाई को इंदौर हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान मुस्लिम पक्ष पूर्व में पेंडिंग याचिका, जवाब और सर्वे रिपोर्ट लीक होने पर अवमानना के मसले पर अपनी बात रख सकता है।

हाईकोर्ट कोई फैसला नहीं सुना सकेगा

सुप्रीम कोर्ट ने एक अप्रैल, 2024 को आदेश जारी कर कहा था कि सर्वे तो जारी रहेगा, लेकिन इस सर्वे की रिपोर्ट के आधार पर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट कोई फैसला नहीं सुना सकेगा। अब 15 जुलाई को एएसआई की रिपोर्ट हाई कोर्ट में प्रस्तुत हो चुकी है, ऐसे में हिंदू पक्ष चाहता है कि सुप्रीम कोर्ट अपने उस आदेश को निरस्त कर दे, जिसमें कहा था कि हाईकोर्ट सर्वे रिपोर्ट के आधार पर कोई कार्रवाई न करे।

मुस्लिम पक्ष को सुप्रीम कोर्ट से उम्मीद

अब्दुल समद, कमाल मौलाना वेलफेयर सोसाइटी, सदर धार ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुसार हम एएसआई की सर्वे रिपोर्ट की गोपनीयता का पूरा ध्यान रख रहे हैं। सामने वाला पक्ष सर्वे रिपोर्ट के आधार पर भ्रम फैला रहा है, जो कि गलत है।यह सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट की अवमानना है। उनके द्वारा रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कह रखा है बिना हमारे हस्तक्षेप के हाईकोर्ट कोई फैसला नहीं देगी। सुप्रीम कोर्ट में हमारी एसएलपी पेंडिंग है। उसमें जवाब फाइल होना बाकी है।

यह कहा हिंदू पक्ष के वकील ने

हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन के मुताबिक एएसआई के सर्वे की रिपोर्ट हाईकोर्ट में आ चुकी है। 22 जुलाई को हाईकोर्ट में सुनवाई होना है। याचिका के माध्यम से हम चाहते हैं कि सुप्रीम कोर्ट एक अप्रैल, 2024 के आदेश को निरस्त करे।

इंदौर से चलने वाली 13 जोड़ी ट्रेन में जनरल कोच बढ़े

इंदौर। रतलाम मंडल के इंदौर रेलवे स्टेशन से चलने वाली 14 जोड़ी लंबी दूरी की ट्रेनों में जनरल कोच बढ़ा दिए गए है। इन ट्रेनों में अधिकांश उत्तर भारत की ओर जाने वाली ट्रेनें हैं। ट्रेनों में जनरल कोच बढ़ने से अब आसानी से सीट उपलब्ध हो जाएगी। रतलाम मंडल के वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि इन सभी ट्रेनों में दो-दो जनरल कोच बढ़ा दिए गए है। इन ट्रेनों में इंदौर-हावड़ा-इंदौर एक्सप्रेस, इंदौर-पटना-इंदौर एक्सप्रेस, इंदौर-पटना-इंदौर एक्सप्रेस, इंदौर-अमृतसर-इंदौर एक्सप्रेस, इंदौर-ऊना हिमाचल-इंदौर एक्सप्रेस, इंदौर- शहीद कैप्टन तुषार महाजन उधमपुर-इंदौर एक्सप्रेस, इंदौर-नागपुर-इंदौर एक्सप्रेस, इंदौर-गांधीधाम-इंदौर एक्सप्रेस, लक्ष्मीबाई नगर-योगनगरी ऋषिकेश-लक्ष्मीबाई नगर एक्सप्रेस और लक्ष्मीबाई नगर- योगनगरी ऋषिकेश- लक्ष्मीबाई नगर एक्सप्रेस में 2-2 सामान्य श्रेणी के कोच बढ़ाए गए है। यह कोच नंबवर माह की अलग-अगल तारीख से ट्रेन में लगाएं जाएंगे। शर्मा ने बताया कि इंदौर-जबलपुर-इंदौर एक्सप्रेस में दो स्लीपर, एक सामान्य श्रेणी कोच और एक एसएलआर कोच जोड़ा जा रहा है। इंदौर-वाराणसी-इंदौर एक्सप्रेस में तीन स्लीपर श्रेणी के कोच ओर इंदौर-वाराणसी-इंदौर एक्सप्रेस में तीन स्लीपर श्रेणी के कोच जोड़े जा रहे है।

एक ही रात दो जगह चाकूबाजी, शादी समारोह में दो घायल

इंदौर। इंदौर के एमआईजी इलाके में सोमवार रात शादी समारोह में नशे में एक युवक ने दो दोस्तों पर चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में एक को गंभीर चोट आई है। पुलिस ने देर रात इस मामले में आरोपी पर केस दर्ज किया है। एमआईजी पुलिस के मुताबिक अभिषेक उर्फ बाबू कुशवाह ने रिंकू कुशवाह और उसके दोस्त नीलेश कुशवाह पर चाकू से हमला कर दिया। रिंकू की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस के मुताबिक नीलेश ने अपने बयान में बताया कि वह सर्विस सेंटर का काम करता है। सोमवार रात 11:30 बजे अपने दोस्त रिंकू के साथ शादी में खाना खा रहा था। अभिषेक शराब के नशे में आया और रिंकू से बदतमीजी से बात करने लगा। रिंकू ने रोका तो गालियां देने लगा। इसके बाद अभिषेक ने पहले ईंट उठाकर मारी। फिर चाकू निकालकर उसके पैर में मार दिया। नीलेश ने बचाव किया तो अभिषेक ने उस पर भी चाकू से पेट में वार कर दिया। इस बीच और लोग वहां पहुंचे। उन्होंने दोनों को बचाया। रिंकू को सीएचएल अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में पुलिस ने बयान लेकर आरोपी पर केस दर्ज किया है।

एमआर 10 और एमआर 12 ब्रिज को लेकर सांसद लालवानी ने दिए निर्देश

इंदौर। सांसद शंकर लालवानी द्वारा शहर के साथ रेल यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधाएं दिलवाने का सतत प्रयास कर रहे है। वही 2028 में आने वाले सिहस्थ महाकुंभ को लेकर भी रेल यात्रियों के हित में लालवानी सक्रिय नजर आ रहे है। रेलवे ओवरब्रिज सहित कई मामलों को लेकर सांसद शंकर लालवानी रेलवे सिविल कार्यालय पहुंचे और अधिकारियों से कार्यों की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। लालवानी ने कहा की यदि सिहस्थ में इंदौर उज्जैन ओंकारेश्वर मार्ग पर रेलवे सुविधा बेहतर होती है तो सड़क मार्ग पर भी यातायात बाधित नहीं होने की संभावनाएं रहेगी। सिंहस्थ 2028 और लालवानी की सक्रियता - सिहस्थ महाकुंभ 2028 के पहले इंदौर उज्जैन मेट्रो वंदे भारत ट्रेन शुरू करने को लेकर श्री लालवानी सक्रिय नजर आ रहे है ।श्री लालवानी का प्रयास है की सिहस्थ 2028 के पहले इंदौर उज्जैन मेट्रो शुरू हो सके ताकि लाखो यात्री इंदौर उज्जैन वंदे भारत ट्रेन का लाभ ले सके । इंदौर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ समन्वय - सांसद श्री शंकर लालवानी ने इंदौर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ एमआर 10 और एमआर 12 पर बनाए जा रहे ब्रिज को लेकर रेलवे अधिकारियों के साथ समन्वय कर आवश्यक निर्देश दिए ।ओंकारेश्वर नर्मदा ओवरब्रिज - सांसद श्री शंकर लालवानी ने अधिकारियों को ओंकारेश्वर मोरटक्का नर्मदा ओवरब्रिज को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए । इंदौर दाहोद टनल को लेकर लालवानी अलर्ट - इंदौर दाहोद टनल के कार्य को लेकर श्री लालवानी काफी अलर्ट दिखे । उन्होंने अधिकारियों को विकास कार्य युद्ध स्तर पर करने के निर्देश दिए । वही अधिकारियों ने मई तक कार्य पूर्ण होने की संभावना भी जताई है । पर्यटन स्थल और रेलवे ट्रेक - सांसद श्री शंकर लालवानी रेलवे यात्रियों और प्राकृतिक प्रेमियों के लिए पातालपानी ट्रेक को लेकर भी उत्साहित दिखे ।श्री लालवानी ने पातालपानी ट्रेक को और अधिक आकर्षित करने के निर्देश दिए ताकि अधिक से अधिक पर्यटक रेल द्वारा प्राकृतिक सुंदरता का आनंद ले सके । रेल यात्रियों की सुविधाओं के लिए मिलेंगे रेल मंत्री से सांसद श्री शंकर लालवानी इंदौर शहर की जनता और री यात्रियों की सुविधाओं को लेकर जल्द रेल मंत्री से मुलाकात करेगे वही कुछ मामलों को लेकर पत्र भी लिखने की बात श्री लालवानी ने कही। पार्क रोड के विकास को लेकर दिए निर्देश सांसद श्री शंकर लालवानी ने रेलवे अधिकारियों को पार्क रोड स्थित प्लेटफार्म 6 के विकास को लेकर भी आवश्यक निर्देश दिए । श्री लालवानी ने कहा की इस प्लेटफार्म को भी बेहतर तरीके से विकसित किया जाना चाहिए ताकि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिल सके। कई रेलवे लाइन और ओवरब्रिज को लेकर चर्चा सांसद श्री शंकर लालवानी ने रेल का सफर करने वाले यात्रियों कील बेहतर सुविधा और आगामी सिंहस्थ महाकुंभ 2028 की तैयारियों को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए । इस दौरान श्री लालवानी ने धार अमझेरा झाबुआ लाइन , चंद्रावती गंज , लक्ष्मीबाई नगर , केसरबाग ,इंदौर बुधनी रूट , इंदौर मनमाड लाइन , अजनोद कचालिया , मांगलिया , इंदौर फतेहाबाद रतलाम और इंदौर उज्जैन फतेहाबाद , सहित कई रेलवे लाइन , ट्रेक और ओवरब्रिज को लेकर चर्चा की । इस दौरान रेलवे के मुख्य प्रशानिक अधिकारी विनीत गुप्ता और मुख्य इंजीनियर धीरज कुमार इंदौर विकास प्राधिकरण के अधिकारी व सांसद प्रतिनिधि विशाल गिदवानी विशेष रूप से मौजूद रहे

सांसद श्री लालवानी की सक्रियता से सिहास्थ 2028 तक रेल यात्रियों को मिलेगी कई सौगाते

लालवानी ने ली रेलवे अधिकारियों की बैठक, कई मामलों पर हुई महत्त्वपूर्ण चर्चा

प्रदीप चौधरी। सिटी चीफ ।

जिम ट्रेनर ने लड़की के फ्रेंड को पीटा...दोनों पक्षों पर एफआईआर दर्ज

प्रदीप चौधरी। सिटी चीफ

इंदौर, इंदौर की जिम में ट्रेनर और वर्क आउट करने गए कपड़ा व्यापारी में विवाद हो गया। व्यापारी का आरोप है कि ट्रेनर मेरी महिला मित्र और मुझ पर कमेंट्स कर रहा था। मैंने आपत्ति ली तो मारपीट करने लगा। इधर, जिम ट्रेनर ने भी मारपीट का आरोप लगाया है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर केस दर्ज किया है।

अन्नपूर्णा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक कार्तिक पुत्र नेमीचंद्र जैन निवासी जूनी कसेरा बाखल की शिकायत पर कार्तिक पुत्र भगवान सिंह जादौन निवासी नेमी नगर केसर बाग ब्रिज पर मारपीट की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। वहीं जौदान की शिकायत पर जैन पर कार्रवाई की गई है।

कार्तिक जैन कपड़ा व्यापारी है। उनका आरोप है कि वह टिंगनो जिम सच्चिदानंद नगर में वर्क आउट करने जाते हैं। रविवार दोपहर 12.30 बजे वर्कआउट कर रहा थे। तभी लड़कियां भी वर्क आउट कर रही थी, उनमें मेरी भी एक दोस्त थी। कार्तिक जादौन उन पर कमेंट्स कर रहा था। इस बारे में जिम के मालिक संजल को कॉल कर जानकारी दी। इससे नाराज होकर कार्तिक जादौन ने मुझे अपशब्द कहे। और मेरे साथ मारपीट करने लगा। वहां वर्क आउट कर रहे लोगों ने बचाया। इस दौरान मेरी आंख में भी चोट आई। जिम ट्रेनर कार्तिक ने बताया कि जैन ने मुझे धमकी दी। इसके चलते मैंने पुलिस से रिपोर्ट की है। जिम में आयेदिन इस प्रकार की घटना अब आम हो गई है।

भोपाल-उज्जैन के मध्य चलेगी स्पेशल ट्रेन

भोपाल उज्जैन स्पेशल ट्रेन (08235) 17 जुलाई से 31 जुलाई, 2024 तकप्रति गुरूवार को छोड़कर प्रतिदिन भोपाल से 17.50 बजे चलेगी

प्रदीप चौधरी। सिटी चीफ

उज्जैन, यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान मेंरखते हुए भोपाल-उज्जैन के मध्य स्पेशल पैसेंजर ट्रेन चलाई जा रही है । रतलाम मंडल के वरिष्ठ जन संपर्क अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा के अनुसार भोपाल से उज्जैन के मध्य यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सप्ताहमें छः दिन चलेगी।

तदनुसार ट्रेन 08235 भोपाल उज्जैन स्पेशल 17से 31 जुलाई, 2024 तकप्रति गुरूवार को छोड़कर प्रतिदिन भोपाल से 17.50 बजे चलेगी जो संत हिरदाराम नगर18.15 बजे, सीहोर 18.39 बजे, कालापीपल19.04 बजे, शुजालपुर 19.17 बजे, अकोदिया19.30 बजे, कालीसिंध 19.45 बजे, मक्सी20.28 बजे एवं तराना रोड 20.39 बजे होते हुए 21.20 बजे उज्जैन स्टेशन पहुँचेगी। इसी प्रकार वापसी में ट्रेन 08236 उज्जैनभोपाल स्पेशल 18 जुलाई से 01 अगस्त, 2024 तक प्रति शुक्रवार को छोड़कर प्रतिदिन उज्जैन सेप्रात: 05.00 बजे चलेगी जो तराना रोड05.30 बजे, मक्सी05.44 बजे, कालीसिंध 06.18 बजे, अकोदिया 06.44 बजे, शुजालपुर 07.15 बजे, कालापीपल 07.30 बजे, सीहोर 08.28 बजे एवं संत हिरदारामनगर 09.23 बजे होते हुए 09.45 बजे भोपाल स्टेशन पहुँचेगी। यह ट्रेन ट्रेन दोनों दिशाओं में सभी स्टेशनो पर दो मिनट के लिए रुकेगी।

महिला कांग्रेस की बैठक में हंगामा, राष्ट्रीय अध्यक्ष पर अमर्यादित टिप्पणी

अपेक्षित पदाधिकारियों की लिस्ट में नाम ना होने से भड़कीं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष

भोपाल। मध्य प्रदेश में जहां कांग्रेस लगातार अपने पार्टी के नेताओं से परेशान चल रही है वहीं अब महिला कांग्रेस में भी आपसी सामंजस्य नहीं दिख रहा है। मंगलवार को राजधानी भोपाल में प्रदेश कांग्रेस ऑफिस में महिला कांग्रेस की बैठक में सिंगरौली की पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मधु शर्मा भड़क गईं। उन्होंने महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा को जमकर खरी-खोटी सुनाई। मधु शर्मा बैठक में अपेक्षित पदाधिकारियों की लिस्ट में नाम ना होने से नाराज थीं।

मधु शर्मा ने पूछा कि हम महासचिव हैं तो हमारा नाम क्यों नहीं है जिन लोगों के नाम लिस्ट में हैं, उनमें से मात्र 15-20 महिलाएं ही आई हैं, तो हम क्या जूता खाने आए हैं। मधु शर्मा की बात सुनकर अलका लांबा ने कहा कि आप जूता खाने लायक हैं। ये बात सुनकर मधु गुस्से में बैठक सभागार से बाहर निकलीं, और अलका लांबा के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली। जब इस मामले में अलका लांबा से पूछा गया तो उन्होंने कोई जवाब नहीं देते हुए कहा कि आज की कार्यकारिणी बहुत कामयाब रही।

फूट-फूट कर रोने लगीं मधु शर्मा मधु शर्मा कांग्रेस कार्यालय में ही जोर-जोर से अलका लांबा को खरी-खोटी सुना रहीं थीं तो महिला कांग्रेस की कार्यकताओं ने उन्हें शांत कराया, और मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक के कक्ष में लेकर पहुंची। नायक ने उन्हें सांत्वना दी। नायक को बैठक में हुए व्यवहार के बारे में बताते हुए मधु शर्मा फूट-फूट कर रोने लगीं।

अलका लांबा को बताया अव्यावहारिक महिला मधु शर्मा ने आरोप लगाते हुए कहा कि इनका बात करने का तरीका ठीक नहीं, अव्यावहारिक महिला हैं। विपरीत परिस्थितियों में जो लोग अभी काम कर रहे हैं। वही असली नेता हैं। इनको बात करने का बिल्कुल भी तरीका नहीं हैं। सब बर्दाश्त करेंगे लेकिन मैं बर्दाश्त नहीं करूंगी। बड़े-बड़े मंत्री पुत्रों को हम हरा चुके हैं। आरक्षण वाले नहीं हैं। महिला आरक्षण से नहीं आए हैं। हमारा नाम नहीं है तो क्या बोलेंगे नहीं हम लोगों की नियुक्तियां फर्जी हैं क्या

बीजेपी ने कसा तंज, कांग्रेस में महिलाओं का सम्मान नहीं भाजपा प्रवक्ता शिवम शुक्ला ने कांग्रेस महिला कमेटी में हुए हंगामे को लेकर मधु शर्मा का वीडियो जारी करते हुए कहा है कि कांग्रेस पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कांग्रेस में बैठक हो और कोई हंगामा न हो यह हो नहीं सकता है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस महिला विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा और प्रदेश अध्यक्ष विभा पटेल द्वारा जिस तरह से एक महिला को अपमान कर जूता मारने की धमकी दी गई यह साफ दशार्ता है कि कांग्रेस में जब कार्यकताओं का सम्मान नहीं है तो प्रदेश की जनता की रक्षा कांग्रेस पार्टी नहीं कर सकती। यही वजह है कि प्रदेश की जनता लगातार इनको नकार रही है।

सारंग के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने पहुंचे कांग्रेसी नेता

नेता प्रतिपक्ष खिलाफ महिलाओं ने किया प्रदर्शन, पटवारी बोले सारंग के खिलाफ पर्याप्त सबूत

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और मध्य प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार समेत कई विधायक मंगलवार को राजधानी भोपाल के टीटीनगर थाने पहुंचे। यहां नर्सिंग घोटाला मामले में मंत्री विश्वास सारंग के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। पुलिस ने पहले जांच करने की बात कहकर आवेदन ले लिया। जिस वक्त कांग्रेस नेता टीटीनगर थाने में मौजूद थे, बाहर पार्टी कार्यकर्ता भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इसी बीच कुछ महिलाएं वहां पहुंचीं और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे के खिलाफ प्रदर्शन करने लगीं। वे दोनों नेताओं पर यौन शोषण के पुराने मामले में एक्शन लेने की मांग कर रही थीं। इस दौरान पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा ने कहा है कि ह्यनर्सिंग घोटाला मामले में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने पर्याप्त सबूत सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को दिए। तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने ही नियम बदले। इसी के आधार पर भ्रष्टाचार किया गया। हमने पुलिस से कहा है कि इसकी जांच होनी चाहिए। पुलिस ने 14 दिन का समय मांगा है। हम 18 तारीख को फिर प्रदर्शन करेंगे। महिलाओं के उप नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ प्रदर्शन पर पटवारी ने कहा कि चोर की दाढ़ी में तिनका। इन महिलाओं को ऐसे समय में किसने और क्यों भेजा अगर आप सच्चे हो तो डर कैसा

सारंग कितने डरे हुए हैं यह सभी लोग समझ सकते हैं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि विश्वास सारंग कितने डरे हुए हैं, यह सभी लोग समझ सकते हैं। सदन में उन्होंने झूठ बोला। वे मंत्री पद क्यों नहीं छोड़ते निष्पक्ष जांच के बाद अगर वे सही निकलते हैं तो फिर मंत्री बन जाएं। महिलाओं के प्रदर्शन पर सिंघार ने कहा कि लाड़ली बहनों के पैसे सरकार पहले ही खा गई। इन बेचारी बहनों के बारे में क्या बोलूं

प्रदेश सरकार से बड़ी कार्रवाई की मांग गौरतलब है कि एफआईआर नर्सिंग घोटाले, नीट पेपर लीक सहित अन्य मुद्दों को लेकर करवाया गया है। बताते चले कि कांग्रेस लंबे समय से नर्सिंग घोटाले मामले को लेकर प्रदेश सरकार से बड़ी कार्रवाई की मांग कर रही है। हालांकि अभी तक इस विषय में कोई बड़ा कदम नहीं उठाया गया। जिसको देखते हुए जीतू पटावरी ने मंत्री विश्वास सारंग के खिलाफ नर्सिंग घोटाले को लेकर ऋफ दर्ज करवाई है। पटवारी ने बैठक के बाद यह फैसला लिया। बता दें कि सदन में भी नर्सिंग घोटाले को लेकर कांग्रेस ने बीजेपी पर हमला बोला था।

कांग्रेस नेताओं के सामने ही पहुंच गईं महिलाएं भोपाल के टीटी नगर थाने में अजीब स्थिति निर्मित हुई जब नर्सिंग मामले को लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार उप नेता प्रतिपक्ष हेमन्त कटारे थाने में आवेदन देने गये थे। तभी थाने में महिला उत्थान व सशक्तिकरण मंच की महिलाएं थाने पहुंच गयीं और उमंग सिंघार व हेमन्त कटारे के खिलाफ जोर-जोर से नारे लगाने लगीं। उमंग और हेमन्त को गिरफ्तार करो, गिरफ्तार करो-गिरफ्तार करो महिलाओं का कहना था कि ये दोनों नेता महिलाओं के प्रति अच्छी भावनाएं नहीं रखते हैं। दोनों के खिलाफ बलात्कार के मामले दर्ज हो चुके हैं। कटारे के खिलाफ बलात्कार और अपहरण का मामला माननीय उच्च न्यायालय में विचाराधीन है।

महिलाओं ने कहा सिंघार और कटारे महिला विरोधी

महिला उत्थान व सशक्तिकरण मंच की सुषमा चौहान, सुनीता प्रमोद शुक्रवारे, सतविंदर कौर, रोहिणी सिंह, सरिता सिटोके, शोभा वाघ आदि ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और उपनेता प्रतिपक्ष हेमन्त कटारे का व्यवहार महिलाओं व युवतियों के प्रति अशोभनीय व अपमानजनक रहा है। महिलाओं ने टी टी नगर थाना प्रभारी को ज्ञापन देकर दोनों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्यवाही किये जाने की मांग भी की है।

6 गायों की हत्या कर मांस बेचने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपियों का निकाला जुलूस

भोपाल।राजधानी भोपाल की पुलिस ने 6 गायों की हत्या कर मांस बेचने के आरोपी चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को आरोपियों का जुलूस भी निकाला गया। साथ ही आरोपी असलम, सादिक और अरसलान के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) की कार्रवाई भी की गई है।आरोपियों असलम, सादिक, अरसलान, नसुरुद्दीन को गिरफ्तार कर जिला कोर्ट भोपाल में पेश किया गया है। आरोपी से पूछताछ जारी है। मामले में पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि गौ-मांस की बिक्री कहां की गई। साथ ही पूछताछ में आरोपियों ने पहले भी रायसेन जिले के सलामतपुर में भी ऐसी ही घटना करने की बात स्वीकार्य की है। ऐसे में उसे मामले को लेकर भी पूछताछ की जा रही है। एसपी देहात प्रमोद कुमार सिन्हा मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि बिलखिरया थाना क्षेत्र के रहने वाले राजू गुर्जर ने 11 जुलाई को पुलिस को सूचना दी कि उसकी 6 गायें 9 जुलाई को अमझरा के जंगल में चरने के लिए गई थी। वे घर नहीं लौटी तो उनकी तलाश की गई। अगले दिन 10 जुलाई को भी उनकी तलाश की गई। लेकिन, गायें नहीं मिली। इसके बाद पुलिस और वन विभाग को सूचना दी गई कि उसकी गायें किसी ने चुराकर वध कर दी है। पुलिस ने तत्काल नए कानून के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर धारा 303, 2 और गौवंश वध प्रतिषेद अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

एसआईटी का किया गया गठन एसपी देहात प्रमोद कुमार सिन्हा ने आगे बताया कि इसके बाद एडिशनल एसपी नीरज चौरसिया के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया। जिसमें बिलखिरिया एसडीओपी प्रिया सिंधी, बिलखिरिया थाना प्रभारी बीरेंद्र सेन, सूखी सेवनिया थाना प्रभारी रामबाबू चौधरी को शामिल किया गया।

ग्रे कलर के शर्ट और ब्लैक पैंट में नजर आएंगे प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के विद्यार्थी

भोपाल। प्रदेश के 55 सरकारी महाविद्यालयों को प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस के रूप में चयनित किया गया है। इन कालेजों को उन्नत करने के लिए 366 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसमें गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति की अवधारणा के तहत पढ़ाई होगी।

इन सभी कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए इस सत्र से ड्रेसकोड लागू किया गया है। एक अगस्त से विद्यार्थी एक समान एक रंग के ड्रेस में कॉलेज आएंगे।इस संबंध में कालेज प्राचार्यों ने विद्यार्थियों को निर्देशित कर दिए हैं। साथ ही छात्र-छात्राओं को कुछ विशेष सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी।

शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविधालय को प्रधानमंत्री कालेज आफ एक्सीलेंस के रूप में चयनित किया गया है। यहां के विद्यार्थी हमीदिया कालेज में एक अगस्त से ड्रेसकोड में आएंगे। इसके लिए स्टाफ काउंसिल और जनभागीदारी समिति की बैठक आयोजित कर ड्रेसकोड का डिजाइन और कलर तय किया गया। इसमें छात्र ग्रे कलर का शर्ट और ब्लैक कलर का पैंट और छात्राएं ग्रे कलर व और ब्लैक कलर के सलवार-कमीज में आएंगी ।

30 रुपये में महीने भर बस से कालेज जाएंगे विद्यार्थी प्रदेश में प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस 14 जुलाई से खुल गए हैं।यहां बस सर्विस की शुरूआत भी हो गई है।

17 करोड़ के टेंडर में धांधली

चहेते को ठेका देने में बदल दिए नियम, कॉलेजों में लैब उपकरण खरीदी में की गड़बड़ी

विधायक ने सीएम से की शिकायत, विभाग के अपर मुख्य सचिव ने आयुक्त को दिए जांच के निर्देश

भोपाल। मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग में चहेते को ठेका देने के लिए अधिकारियों ने टेंडर की शर्तों में गड़बड़ी का मामला सामने आया है। 17 करोड़ के टेंडर में कॉलेजों में लैब के उपकरण खरीदी का काम होना है। अब इस मामले में कांग्रेस विधायक और उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को शिकायत की है। वहीं, विभाग के अपर मुख्य सचिव केसी गुप्ता ने मामले की जांच के लिए आयुक्त को निर्देश दिए हैं। मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग में केंद्र सरकार की योजना राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) के तहत कॉलेजों में लैब के उपकरण खरीदी के लिए इसी साल जनवरी 2024 में टेंडर जारी किए, इसको बाद में लोकसभा चुनाव की आचार संहिता के चलते रोक दिया गया। इसके बाद आचार संहिता समाप्त होने के बाद 21 दिनों की जगह 14 दिन के लिए टेंडर प्रक्रिया में आवेदन करने का समय दिया गया। फिर इसे 10 दिन में ही खोल दिया गया। यह स्टेट पर्चेस रूल का सीधा उल्लंघन है। आरोप है कि टेंडर प्रक्रिया में कम समय कुछ लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए दिया गया।

पोर्टल पर अपडेट नहीं की प्रक्रिया टेंडर की प्रक्रिया को पोर्टल पर भी अपडेट नहीं किया गया। खास बात तो यह है कि पोर्टल पर जब टेंडर प्रक्रिया में दिख रहा है, उसके पहले ही डेमोंस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी कर ली गई। इससे साफ है कि टेंडर में भाग लेने वाले लोगों से प्रक्रिया को छिपाया जा रहा है। वहीं, डेमोंस्ट्रेशन के लिए भी एक दिन का समय देने का आरोप है, ताकि दूसरे राज्यों से भाग लेने वाले डेमोंस्ट्रेशन में शामिल ही नहीं हो सकें। इसके अलावा टेंडर में भारी भरकम ईएमडी और करोड़ों रुपये का टर्नओवर मांगा गया। इससे कई सप्लायर प्रतिस्पर्धा से ही बाहर हो गए।

छह खामियों को लेकर पत्र लिखा वहीं, कांग्रेस विधायक और उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने मुख्यमंत्री को टेंडर की छह खामियों को लेकर पत्र लिखा है। उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि विभाग के अधिकारी समूह बनाकर गड़बड़ियों को अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से पूरे मामले से संबंधित मुद्दों पर गहन जांच कराने और आवश्यक कार्यवाही करने की मांग की है।

शिकायत मिली है, जांच करा रहे मामले में अपर मुख्य सचिव केसी गुप्ता ने कहा कि इस संबंध में शिकायत मिली है। उसे वर्तमान आयुक्त को जांच के लिए लिखा है। शिकायत में मामला किस समय का है स्पष्ट नहीं है। आयुक्त से रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कह पाऊंगा।

विधानसभा में अधूरा जवाब भेजने पर नगरीय प्रशासन विभाग के वेतन रोकने के निर्देश

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा में अधूरे जवाब को लेकर नगरीय प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई ने आयुक्त को नोटशीट लिखी है। इसमें उन्होंने लिखा है कि 2024 के विधानसभा सत्र में कुछ प्रश्नों के उत्तर अपूर्ण दिए गए है। अपूर्ण प्रश्नों की 30 जुलाई तक पूर्ण जानकारी भेजना सुनिश्चित करें। और ऐसे शाखा प्रमुख/ प्रभारी जिनके द्वारा अधूरे प्रश्नों के जवाब पूरी तरह नहीं भेजे जाते है उनका जुलाई माह का वेतन आहरण ना किया जाए। बता दें विधानसभा में अधूरे जवाब को लेकर विधायक कई बार आपत्ति दर्ज करा चुके है। अब नगरीय प्रशासन विभाग ने अधूरे जवाब भेजने वाले अधिकारियों पर सख्ती दिखाई है।

विवादित डीईओ त्रिपाठी को हटाया, अहिरवार को मिली जिम्मेदारी

भोपाल।लोक शिक्षण संचालनालय आयुक्त ने भोपाल जिले के विवादित शिक्षा अधिकारी अंजनी कुमार त्रिपाठी को हटा दिया। सोमवार को उनको लोक शिक्षण संचालनालय में पदस्थ करने के आदेश जारी किए। उनकी जगह पर सहायक संचालक नरेंद्र कुमार अहिरवार को जिला शिक्षा अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। बता दें अंजनी कुमार त्रिपाठी की कार्यप्रणाली पर कई बार सवाल उठ चुके थे। उनके खिलाफ कार्यालय में नहीं मिलने की सबसे ज्यादा शिकायत थी। साथ ही भोपाल जिला पंचायत के सदस्य भी डीईओ को हटाने के खिलाफ लामबंद हो चुके थे। त्रिपाठी का पूरा कायार्काल ही विवादों से घिरा रहा। जानकारी के अनुसार अब उनके कार्यकाल में मिली शिकायतों की जांच होगी।

निगम के दो दैवेभो कर्मी ने अतिक्रमण प्रभारी को दी जान से मारने की धमकी

भोपाल। नगर निगम के अतिक्रमण प्रभारी शैलेंद्र सिंह भदौरिया को निगम में ही कार्यरत दैनिक वेतन भोगी कर्मी ने जान से मारने की धमकी दी है। इस बात की भदौरिया ने निगमायुक्त हरेंद्र नारायन से लिखित में शिकायत की है। भदौरिया ने बताया कि उनके साथ 12 जुलाई को माता मंदिर स्थित रिवेरा हाइट्स कालोनी के पास ग्रीन कारिडोर में अवैध रूप से बन बड़े छप्पर तो तोड़ने और उसके नीचे रखे ठेले को जब्त करने के दौरान यह विवाद हुआ।

दक्षिण अफ्रीका से वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में आएंगे जेब्रा और जिराफ

अन्य राष्ट्रीय उद्यान में भी विदेश से अलग-अलग प्रजाति के वन्य जीव लाए जाएंगे

भोपाल। मध्य प्रदेश में चीतों के बाद अब राज्य सरकार दक्षिण अफ्रीका से जेब्रा और जिराफ भी लाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) फंड का उपयोग कर जिराफ और जेब्रा लाने की तैयारी की जा रही है। फंड का उपयोग अन्य कार्यों में भी किया जाएगा।

पहले चरण के लिए वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल के लिए जिराफ और जेब्रा लाए जाएंगे। इसके लिए अलग से विशेष बाड़ा बनाएगा जाएगा, ताकि उन्हें अनुकूल माहौल दिया जा सके। इसके बाद अन्य राष्ट्रीय उद्यान में भी विदेश से अलग-अलग प्रजाति के वन्य जीव लाए जाएंगे। इसके लिए विभिन्न शासकीय, अशासकीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों की एक बैठक भी हो चुकी है। अब सीएसआर कॉन्क्लेव की कार्यशाला भोपाल में प्रस्तावित है, जिसमें आगे की प्रक्रिया पर चर्चा कर निर्णय लिया जाएगा।

भोपाल की जलवायु जेब्रा और जिराफ के लिए अनुकूल

विशेषज्ञ बताते हैं कि जेब्रा और जिराफ अर्ध-शुष्क जलवायु में रह सकते हैं। प्रारंभिक अध्ययन में पाया गया है कि भोपाल की जलवायु उनके अनुकूल है। वे पौधों की पत्तियां, फल और फूल खाते हैं। मुख्य रूप से बबूल की प्रजातियां उन्हें पसंद हैं, जो वन विहार और आसपास पर्याप्त मात्रा में है। बता दें, कोलकाता, मैसूर और पुणे सहित देश के 11 चिड़ियाघरों में लगभग 30 जिराफ हैं।

पिछले वर्ष भी की गई थी पहल

चीता लाने से पहले दक्षिण अफ्रीका गए वन मंत्री विजय शाह ने लौटकर जिराफ और जेब्रा लाने की घोषणा की थी। केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण ने योजना को मंजूरी भी दे दी है। युवा नर और मादा जिराफ एवं जेब्रा लाए जाएंगे, ताकि उनकी वंशवृद्धि भी हो सके। उन्हें समुद्री मार्ग से यहां लाया जा सकता है। हालांकि यह उस देश के विशेषज्ञों से बात करके तय होगा, जिस देश से जिराफ और जेब्रा लाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने दिए थे निर्देश, चीतों के लिए गांधी सागर भी तैयार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जून में मंत्रालय में बैठक कर कहा था कि प्रदेश के वन क्षेत्र में रायनो (गैंडा) तथा अन्य दुर्लभ व लुप्तप्राय: प्रजातियों के वन्य प्राणियों को लाने की संभावनाओं का अध्ययन कराया जाए। उन्हें प्रदेश में बसाने के प्रयास तेजी से किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने चीतों का नया घर गांधी सागर अभयारण्य में की गई तैयारियों की भी जानकारी ली थी। अगले चरण में कूनो के बाद अब गांधीसागर में दक्षिण अफ्रीका और केन्या से चीते लाकर बसाए जाएंगे।

साम्पदकीय

जम्मू में आतंकी हमलों से निपटना काफी चुनौतीपूर्ण

जम्मू संभाग में इस साल आतंकवादी मामलों में बढ़ोत्तरी देखने को मिली है। हालांकि आतंकवाद से निपटने के लिए त्रिस्तरीय सुरक्षा ग्रिड बनाए जाने की बात कही गई है। अकेले जून और जुलाई के महीने में ही आठ आतंकवादी वारदातें हुई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के शपथ लेने के दिन से शुरू हुआ आतंकी हमलों का सिलसिला अब भी जारी है।

जम्मू संभाग में इस साल आतंकवादी मामलों में बढ़ोत्तरी देखने को मिली है। हालांकि आतंकवाद से निपटने के लिए त्रिस्तरीय सुरक्षा ग्रिड बनाए जाने की बात कही गई है। अकेले जून और जुलाई के महीने में ही आठ आतंकवादी वारदातें हुई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के शपथ लेने के दिन से शुरू हुआ आतंकी हमलों का सिलसिला अब भी जारी है। सुरक्षा को लेकर कई उच्च स्तरीय बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन कुछ आतंकी अब भी सिर दर्द बने हुए हैं। जम्मू संभाग की बात करें तो एक जनवरी से अब तक आतंकी हमलों में सेना के एक कैप्टन समेत 12 सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए हैं। इन हमलों में 10 नागरिकों की मौत हुई, जबकि 55 लोग घायल हो गए। इस दौरान पांच आतंकवादियों को मौत के घाट पर उतारा गया है।

मंगलवार को ही जम्मू-कश्मीर में डोडा जिले के डेसा में आतंकियों की फायरिंग में सेना के कैप्टन समेत 4 जवान शहीद हो गए। एक पुलिसकर्मी भी शहीद हुआ है। यानी कुल पांच लोगों की जान गई है। राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस यहां सोमवार से ही सर्च ऑपरेशन चला रही थी। सर्चिंग के दौरान आतंकी फायरिंग करते हुए भागे। घना जंगल होने की वजह से वे बच निकले। सोमवार रात 9 बजे के आसपास फिर गोलीबारी हुई। इसमें 5 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। इन्होंने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद का जब भी जिक्र होता था तो दक्षिण कश्मीर को इसका गढ़ा माना जाता था। पुंछ, पुलवामा, अनंतनाग जैसे इलाकों में ही पहले आतंकवागी हमले होते थे, लेकिन इस साल नया ट्रेंड देखने को मिला है। पाकिस्तान परस्त और स्थानीय आतंकवादियों ने अब जम्मू के उन इलाकों को निशाना बनाना शुरू किया है, जो अब तक सुरक्षित माने जाते थे। ऐसे में यह सवाल भी उठता है कि आखिर क्यों आतंकवादी अब जम्मू इलाके को निशाना बनाने लगे हैं। इस साल अब आतंकवादियों ने जम्मू क्षेत्र में कुल 11 हमले किए हैं।

इन हमलों से निपटना कितना चुनौतीपूर्ण रहा है। इसे ऐसे समझा जा सकता है कि इन हमलों में महज 5 आतंकियों को ही ढेर करने में सफलता मिल सकी है। सुरक्षा एक्सपर्ट्स का कहना है कि इसकी वजह यह है कि आतंकवादियों ने नए इलाकों को टारगेट करना शुरू किया है, जहां की स्टडी सुरक्षा बलों की कम है। इसके अलावा कश्मीर में सुरक्षा बलों की भारी तैनाती के चलते भी आतंकवादी अब वहां सफल नहीं हो पा रहे हैं। ऐसे में उन्होंने जम्मू के इलाकों को टारगेट किया है। यही नहीं आतंकवादी जम्मू में हमले करके यह संदेश देना चाहते हैं कि उनकी जद में पूरा केंद्र शासित प्रदेश है।

जम्मू-कश्मीर पिछले कुछ महीनों से आतंकी हमलों की एक लहर का सामना कर रहा है। कहीं तीर्थयात्रियों पर हमले हो रहे हैं तो कहीं आतंकी सेना के जवानों पर घात लगाकर हमले कर रहे हैं। इन हमलों में एक नया ट्रेंड देखा जा रहा है। आतंकी अपेक्षाकृत शांत माने जाने वाले जम्मू क्षेत्र को निशाना बना रहे हैं। वहीं घाटी में आतंकी घटनाएं कम हो रही हैं। इससे पहले कश्मीर घाटी ही पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का गढ़ थी, लेकिन सेना के आक्रामक अभियानों और आतंकियों के इकोसिस्टम पर लगातार प्रहार से घाटी में उनका तंत्र काफी कमजोर हो गया है।

अगर जम्मू रिजन में बढ़ते आतंकवाद की बात करें तो कुछ सालों से यहां शांति मानी जा रही थी और कुछ छोटी-मोटी घटनाओं के अलावा बड़ी घटनाओं की संख्या काफी कम थीं। जिस जम्मू क्षेत्र से 20 साल पहले आतंकवाद को उखाड़ फेंक दिया गया था, वहां अब फिर उन्होंने नापाक इरादों के पौधे बौना शुरू कर दिए हैं। यह शुरूआत मानी जाती है साल 2021 से। दरअसल साल 2021 में एक साथ कई हमले हुए, जिनके बाद यह अंदेशा होने लगा था कि अब आतंकियों का टारगेट जम्मू की तरफ है। घाटी से 370 हटने के बाद कश्मीर में आतंक का खास ध्यान रखा गया और जम्मू में ये एक्टिव हो गए। 11 अक्टूबर 2021 को लंबे वक्त बाद पुंछ में आतंकी और सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी हुई और इसमें 5 सैनिक शहीद हो गए। इसके बाद 16 अक्टूबर को भट्ठा दुर्रियन के जंगलों में मुठभेड़ होती है और 6 जवान शहीद हो जाते हैं। इसके बाद इसी साल 30 अक्टूबर को राजौरी के नौशेरा में आतंकी घटना को अंजाम दिया गया। इसके बाद यह सिलसिला लगातार चलने लगा और जम्मू में कई आतंकी घटनाएं को अंजाम दिया गया। घाटी से 370 हटने के बाद कश्मीर में आतंक का खास ध्यान रखा गया और जम्मू में ये एक्टिव हो गए- एक तो अहम वजह यह मानी जा रही है कि कश्मीर में आतंकियों के खिलाफ सख्ती होने बाद अब जम्मू को टारगेट बनाया जा रहा है। यहां फैले ओवर ग्राउंड वर्कर की वजह से आतंकी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि जम्मू क्षेत्र में अब ओवर ग्राउंड वर्कर, स्लिपर सेल की संख्या बढ़ रही है, जो आतंकियो की मदद करते हैं। ओवर ग्राउंड वर्कर एक तरह से आतंकियों की मदद करते हैं, उन्हें रियल टाइम इंटेलिजेंस देते हैं, उनके रहने और खाने पीने की व्यवस्था करते हैं। 2023 में आई एक रिपोर्ट बताती है कि हंदवाड़ा में 496, कुपवाड़ा में 32, बारामूला में 26, रियासी में 182, डोडा में 74, कुठआ में 135, किश्तवाड़ में 135, राजौरी में 80 ओवर ग्राउंड वर्कर एक्टिव हैं। पहाड़ी इलाके होने की वजह से भी आतंकियों को काफी मदद मिल रही है। ओवर ग्राउंड वर्कर साथ होने और पहाड़ी क्षेत्र होने की वजह से ये घटना को अंजाम देते हैं।

श्रावण महोत्सव की तैयारी, दिल्ली के भक्त की टीम कर रही गर्भगृह के रूद्र यंत्र और चांदी दीवार की सफाई

विश्व प्रसिद्ध बाबा महाकाल के दरबार में इन दिनों श्रावण मास की तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं। श्रावण मास में लाखों श्रद्धालुओं के मंदिर में आने को लेकर प्रशासन तैयारियों में जुटा हुआ है। साथ ही गर्भगृह के रूद्र यंत्र, चांदी द्वार, नंदी द्वार की सफाई का काम भी शुरू हो चुका है। सफाई का यह कार्य 18 जुलाई दोपहर एक बजे से शाम 5 बजे तक किया जाएगा। वैसे तो आप सभी जानते हैं कि बाबा महाकाल के दरबार में प्रत्येक पर्व से पहले गर्भगृह, चांदी द्वार, नंदी द्वार, रूद्र यंत्र, रजत मंडित दीवार के साथ ही बाबा महाकाल के आभूषण छत्र, मुकुट की सफाई होती है। लेकिन, सफाई कौन करता है और कहां से आता है, यह कोई नहीं जानता...अमर उजाला ने जब इस बारे में जानकारी जुटाई तो पता चला कि दिल्ली के रहने वाले बाबा महाकाल के एक श्रद्धालु पिछले 12 वर्षों से हर त्योहार पर महाकाल मंदिर में इस सफाई को करवाते हैं। जो इन दिनों उज्जैन आए हुए हैं और अपनी टीम के साथ सफाई के काम करवा रहे हैं। प्रति वर्ष बाबा महाकाल के गर्भगृह में रूद्र यंत्र, चांदी द्वार के साथ ही बाबा महाकाल के आभूषणों की सफाई करवाने वाले व्यक्ति का नाम सुशील शर्मा है। जो दिल्ली के व्यापारी हैं। इस बारे में सुशील से चर्चा की गई तो उन्होंने कहा कि मैं सिर्फ बाबा महाकाल की सेवा करना चाहता हूं, उन्हीं की प्रेरणा से यह कार्य वर्षों से करता आ रहा हूं।उन्होंने कहा कि बाबा महाकाल की मुझ पर कृपा है। जब तक हो सकेगा मैं इस कार्य को करता रहूंगा। उन्होंने बताया कि वह साल में तीन से चार बार बाबा महाकाल के दरबार में आते हैं। उनकी टीम में करीब छह लोग हैं जो गर्भगृह, चांदी द्वार, नंदी द्वार, रूद्र यंत्र, रजत मंडित दीवार के साथ ही बाबा महाकाल के आभूषण छत्र, मुकुट की सफाई करते हैं। श्रावण मास में बाबा महाकाल की सवारी निकलती है, इसीलिए हम लोग सवारी में निकलने वाली पालकी के साथ ही अन्य सामानों की भी सफाई करते हैं। ज्ञात रहे कि महाकालेश्वर मंदिर में हर कार्य के लिए टेंडर जारी किए जाते हैं।

संविधान हत्या दिवस' में राजनीतिक प्राणतत्व कितना

भाजपा का कहना है कि खुद कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए कई बार संवैधानिक मर्यादाओं को भंग किया, लोकतंत्र को कुचला, ऐसे में उसे भाजपा की नीयत पर उंगली उठाने का कोई नैतिक हक नहीं है। यानी कि वह भाजपा को घेरने की जगह पहले अपने गिरेबान में झांके। हमने तो घोषित तौर वैसा कुछ भी नहीं किया है, जो कांग्रेस ने डंके की चोट पर किया। बावजूद इसके बदली हुई राजनीतिक परिस्थिति में कांग्रेस इस मुद्दे पर कहीं से भी रक्षात्मक नजर नहीं आ रही है।

देश में हालिया लोकसभा चुनाव और उसके बाद भी कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियों ने भाजपा को संविधान बदलने के मुद्दे पर जिस तरह से घेरा है, मोदी सरकार द्वारा 25 जून को हर साल संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने की अधिसूचना बेशक तगड़ा और तात्कालिक राजनीतिक पलटवार तो है, लेकिन इससे भाजपा को कोई बड़ा दीर्घकालीन सियासी फायदा मिल सकेगा, इसमें संदेह है। इस अधिसूचना का मुख्य उद्देश्य संविधान बदलने के सवाल पर उस कांग्रेस पर ही ठीकरा फोड़ना है, जिसे भाजपा अब सौ सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली की तर्ज पर कटघरे में खड़ा करना चाह रही है।

भाजपा का कहना है कि खुद कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए कई बार संवैधानिक मर्यादाओं को भंग किया, लोकतंत्र को कुचला, ऐसे में उसे भाजपा की नीयत पर उंगली उठाने का कोई नैतिक हक नहीं है। यानी कि वह भाजपा को घेरने की जगह पहले अपने गिरेबान में झांके। हमने तो घोषित तौर वैसा कुछ भी नहीं किया है, जो कांग्रेस ने डंके की चोट पर किया। बावजूद इसके बदली हुई राजनीतिक परिस्थिति में कांग्रेस इस मुद्दे पर कहीं से भी रक्षात्मक नजर नहीं आ रही है।

वह अपने इस आरोप को बेखौफ दोहरा रही है कि संविधान के मामले में भाजपा का रवैया मुंह में राम बगल में छुरी वाला है। मौका देखकर वह वही करेगी, जिसकी आशंका लोगों के मन में है। आशय यह कि भाजपा देश को हिंदू राष्ट्र बनाना चाहती है। इसकी टेस्टिंग वह जब तब करती रहती है। हाल में दिल्ली विवि में कानून की पढ़ाई में मनुस्मृति को शामिल करने का दांव और फिर इसके राजनीतिक खतरे को भांपने के बाद फैसले की वापसी इसी आशंका के स्पष्ट लक्षण हैं।

भाजपा नेता इसे खारिज तो करते हैं, पर उसमें उतना विश्वास नहीं झलकता। संविधान और आरक्षण का मुद्दा ऐसा नहीं है कि जिसे चलताऊ ढंग से हैंडल किया जाए। अगर भाजपा के हाथ से दलित और कुछ ओबीसी वोट बैंक यूं ही खसकता गया तो यूपी में अगला विधानसभा चुनाव जीतना भी उसके लिए टेढ़ी खीर होगा। लोकसभा चुनाव में उप्र में पार्टी की करार हार के कारणों का वस्तुनिष्ठ विश्लेषण कर उसके समाधान के उपाय खोजने की बजाए जिस तरह योगी आला कमान को और उप मुख्यमंत्री सीएम योगी पर हमला कर रहे हैं, उससे साफ है कि यूपी में भाजपा के हालात डेढ़ दशक पुरानी स्थिति में लौट रहे हैं।

वैसे संविधान को बचाने और बदलने का यह खेल कुल मिलाकर धारणा का खेल ज्यादा है, जिसमें भाजपा कांग्रेस को पटखनी देना चाहती है, लेकिन सही दांव लग नहीं रहा। यहां कांग्रेस के साथ सुविधा यह है कि वह केंद्र में विपक्ष में बैठी है, इसलिए जवाबदेही के कॉलम को वह खाली भी छोड़ दे तो खास फर्क नहीं पड़ता, लेकिन भाजपा और एनडीए ऐसा नहीं कर सकते, क्योंकि वह सत्ता में हैं।

यह बात साफ है कि लोकसभा चुनाव में भाजपा और एनडीए को जिन तीन राज्यों यूपी, महाराष्ट्र और हरियाणा में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ, उसके पीछे कांग्रेस और सपा जैसी पार्टियों द्वारा बनाया गया यह नरेटिव प्रमुख था कि मोदी और भाजपा के 400 के पार के अतिआत्मविश्वासी नारे का असल मकसद संविधान बदलना है और इसे बदलने का मतलब देश में ओबीसी, दलितों और आदिवासियों के संविधान प्रदत्त आरक्षण को खत्म करना है। परोक्ष रूप से उस राज को वापस लाना है, जिसमे अगड़ी जातियों का ही वर्चस्व रहेगा। दूसरे शब्दों में यह ब्राह्मणवाद की पुनर्स्थापना की कोशिश होगी।

हालांकि, घोषित तौर पर किसी भाजपा नेता ने इन शब्दों का प्रयोग नहीं किया, लेकिन संविधान बदलने की सुर्री छोड़कर अपनी ही पार्टी के मैदान में सेल्फ गोल जरूर किया। जबकि कांग्रेस ने बिटवीन द लाइंस पर ही चुनाव का ऐसा तगड़ा नरेटिव खड़ा किया, जिसे चुनाव प्रचार के दौरान मोदी ने कुछ राज्यों में धर्म के आधार पर मुसलमानों को आरक्षण खत्म करने के नरेटिव में बदलने की असफल कोशिश की। असफल इसलिए कि हाल के विधानसभा चुनाव के बाद सत्तारूढ़ टीडीपी ने राज्य में मुसलमानों को धर्म के आधार पर 4 फीसदी आरक्षण जारी रखने का ऐलान किया। लेकिन भाजपा अब चुप है, क्योंकि वह भी राज्य में सत्ता में भागीदार है।

ऐसा लगता है कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा हर सभा में संविधान की प्रति लहराकर भाषण देने और लोकसभा में भी शपथ ग्रहण के दौरान कांग्रेस सांसदों दवारा संविधान की प्रतियां दिखाने से परेशान भाजपा और मोदी ने कांग्रेस को बैकफुट पर लाने के लिए संविधान हत्या दिवस का कड़वा डोज देने की कोशिश की है। लेकिन यहां सवाल सियासी पलटवार से ज्यादा उसकी राजनीतिक उपादेयता का है। बेशक आपातकाल के दौरान लोगों के मौलिक अधिकार निलंबित हुए। इंदिरा सरकार ने सभी विरोधियों को जेल में डाला। कई घरों में चूल्हा बुझने की नौबत आई। कुछ की जानें भी गईं। लोकतंत्र मूक हुआ। भाजपा चाहती है कि लोग कांग्रेस के उन संविधान विरोधी और लोकतंत्र को कुचलने के कारनामों को याद करें। उसका असली चेहरा जानें। दूसरी तरफ कांग्रेस ने इस भाजपा के इस वार को पाखंड कहकर खारिज कर दिया है। यह भी सच है कि आपातकाल और उसकी आगे के राजनीतिक घटनाक्रम ने ही आरएसएस की राजनीतिक शाखा जनसंघ को भाजपा में तब्दील होने का स्वर्णिम अवसर भी दिया, जो आज सत्ता में है। कहना मुश्किल है कि अगर आपातकाल न लगता तो जनसंघ अपनी राजनीतिक यात्रा के कितने पड़ाव पूरे कर पाता और क्या भाजपा कभी वजूद में आती

जहां तक कांग्रेस की बात है तो हाल में 12 सीटों पर हुए विस उपचुनाव के नतीजों ने उसकी हौसला अफजाई ही की है। हमे यह भी याद रखना होगा कि जनता और अंतरराष्ट्रीय दबाव के चलते इंदिराजी ने आपातकाल लगाने के 19 माह बाद इंदिराजी ने ही देश में चुनाव भी करवाए और सभी बंदियों को छोड़ा। जनता ने उन्हें चुनाव में पराजित कर लोकतंत्र की हत्या के लिए सजा भी दे दी। इन सबके बाद भी वह 25 साल तक अकेले अथवा गठबंधन के रूप में सत्ता में रही।

देश में इमरजेंसी को लागू हुए अब पचास साल हो रहे हैं। आज राजनेताओं की सक्रिय पीढ़ी में से अधिकांश ने सिर्फ आपातकाल की कहानियां सुनी हैं। जब आपातकाल लगा और हटा था तब इनमें से ज्यादातर स्कूल के विद्यार्थी रहे होंगे। लेकिन जिन्होंने इमरजेंसी को देखा और भुगता, वो अब ज्यादातर मार्गदर्शक की श्रेणी में हैं। ऐसे में नई पीढ़ी को आपातकाल के अत्याचारों के बारे में बताने का कोई बहुत व्यावहारिक लाभ होगा, इसकी संभावना न्यून है।

यह बहुत कुछ वैसा ही है कि कांग्रेस आजादी के बाद कई सालों तक इसी की राजनीतिक कमाई खाती रही कि आजादी की लड़ाई उसीने लड़ी, देश के लिए कुर्बानियां दीं। लिहाजा सत्ता में बने रहने का उसका नैसर्गिक अधिकार है। लेकिन हकीकत में आजादी के तीस साल पूरे होने तक जनता की निगाह में कुर्बानियों और अंग्रेजी अत्याचारों की उन कहानियों की मार्मिकता और बलिदानों की तीव्रता धीरे धीरे कम होने लगी थी।

इसी का परिणाम आगे चलकर एक अलग वैचारिक पृष्ठभूमि पर खड़ी भाजपा के उत्थान में हुआ। ऐसे में भाजपा का संविधान हत्या दिवस उसी पुराने नुस्खे को नए पैकिंग में चलाने की कोशिश ज्यादा लगती है। इसमें कितना वास्तव में राजनीतिक प्राणतत्व है, इसकी परीक्षा देश में तीन माह बाद चार राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव नतीजों में हो जाएगी। भाजपा के सामने असली चुनौती यही है कि अगर यह दांव नहीं चला तो वह अपनी प्रांसगिकता बनाए रखने के लिए कौन सी रणनीति अपनाए केंद्र में भाजपा के बजाए एनडीए सरकार बनने के बाद राज्यसभा में सीटें और घटना उसके लिए नई मुश्किल खड़ी करेगा।

विलासिता पर खर्चः शादियों की चकाचौंध और बेशुमार दौलत से कोई अछूता नहीं, क्या सादगी के लिए कोई गुंजाइश है?

हाल ही में संपन्न एक बड़े उद्योगपति के बेटे के ब्याह का खुमार अभी उतरा नहीं है। रील्स की दुनिया में हाहाकार है। टीवी चैनलों पर सोहर जारी हैं। कोई वक्त था, जब धन के ऐसे अश्लील प्रदर्शन को समाज न केवल अनैतिक मानता था, बल्कि कई देशों में तो जेल तक हो जाया करती थी। जिनके पास अकूत दौलत हुआ करती थी, वे तब भी उसे विलासिता पर खर्च करने से पीछे नहीं रहते थे, लेकिन सामान्यतया यह सब कोठियों की बंद दीवारों के पीछे हुआ करता था। एक खास तबके के लोगों के बीच। कोशिश होती थी कि बाहर की दुनिया को इसकी ज्यादा भनक न लगे कोई खिड़की, कोई रोशनदान खुला रह गया, तो उसकी झिर्री से मीडिया के छापामार दस्ते कुछ दृश्य चुरा लाया करते थे और उसे बड़ी उपलब्धि मानते थे। मगर, पिछले सालों में वक्त बदला और उसके साथ सामाजिक मूल्य भी। अब किसी को इस बात की परवाह नहीं होती कि अब भी इस देश के बड़े हिस्से में लड़की का बाप सबसे निरीह प्राणी कहा जाता है। बड़ी मिसालें हैं कि बेटी के लिए दहेज जुटाने में कई लोगों की जिंदगी भर की पूंजी खर्च हो जाती है, फिर भी ससुराल वाले संतुष्ट नहीं होते। इस बात का खतरा बना रहता है कि न जाने कब लाडली की मासूम मुस्कराहटें ससुराल पक्ष की टीवी, फ्रिज और कार जैसे ठंडे लोहे की लालसाओं की भेंट चढ़ जाएं। अब इस बात को लेकर कहीं कोई फिक्र नहीं दिखती कि लकदक शादियों को फटी आंखों से देखने के बाद दूल्हों के कस्बाई मां-बापों की हसरतें किस कदर आसमान छू रही होंगी। ब्याह में ऐसी न सही, इसके आस-पास की शान-शौकत के निष्ठुर सपने उनकी आंखों में भी कुलबुलाने लगे होंगे। महंगी सजावट, डिजाइनर कपड़े, भारी-भरकम गहने-जेवर और छप्पन प्रकार के व्यंजन, सब वैसा चाहिए होगा, जिसकी चकाचौंध से फिल्मी सितारों, खिलाड़ियों व धर्मगुरुओं से लेकर राजनेताओं तक, सब सम्मोहित हैं। सामाजिक सरोकारों से कटे हुए, एकांगी और आत्ममुग्ध समाज इसी तरह व्यवहार करते हैं। वहां सादगी के लिए कोई गुंजाइश नहीं होती है। आजकल किसी से इस बात की अपेक्षा रखना कि वह अपने मोहल्ले के प्राथमिक शिक्षक का सम्मान करेगा, किसी कारीगर को उसकी उजरत का पैसा चुकाते हुए विनम्र बना रहेगा या अपेक्षाकृत कमजोर आर्थिक स्थिति वाले अपने संबंधियों को भी घरेलू फोटो फ्रेम में हिस्सा देगा, बेमानी है। जब समाज के भीतर खुद मूल्यों को लेकर कोई आग्रह न हो, तो फिर जिनकी जेब में पैसा है, उनसे किसी नैतिकता और मर्यादा की अपेक्षा क्यों रखी जानी चाहिए? इस पूरे विमर्श का एक सिरा समाज में मूल्यों के ह्रास से जुड़ता है, तो दूसरा क्रोनी कैपिटलिज्म से। कहने की जरूरत नहीं कि हाल के वर्षों में एकाएक बने कई अमीरों की दौलत में पीढ़ी-दर-पीढ़ी व्यापार के विस्तार की कमाई के बजाय नए तरीकों और तंत्र के चोर दरवाजे से घुसकर जुटाई गई समृद्धि का हिस्सा है। इसलिए भी अब समाज को लेकर नैतिक दायित्वों का कोई दबाव नहीं दिखता। दुनिया में ऐसे तमाम उदाहरण हैं, जहां उद्योगपतियों ने फाउंडेशन बनाए, चैरिटेबल ट्रस्ट खोले या फिर इसी तरह का कोई और उपक्रम करते हुए अपनी दौलत का एक हिस्सा उस समाज को लौटाया, जिससे उन्होंने इसे हासिल किया था। बेशक इस प्रक्रिया में भी तमाम झोल हैं। ऐसे उदाहरणों की कमी नहीं है, जहां दान के बजाय दिखावा ज्यादा है या फिर दान के नाम पर संपत्ति को उलटफेर कर अपने ही खाते में जोड़ लेने की शातिर कवायद। इस कड़वे सच के बावजूद इस तथ्य से इन्कार नहीं किया जा सकता कि उद्योगपतियों के ट्रस्टों और फाउंडेशनों ने तमाम जरूरतमंदों के जीवन में बदलाव लाने में अहम भूमिका निभाई है। गर इन मिसालों से इतर ब्याह के नाम पर लगातार बढ़ रहे तमाशे, किराये के मेहमान, फिल्मी गानों पर ठुमके और पति-पत्नी के प्रेम के प्रदर्शन के नाम पर हिंदी-अंग्रेजी फिल्मों से चुराए सस्ते संवाद बढ़ते जा रहे हैं। अधनंगी मॉडलों के वार्षिक कलेंडर से लेकर महंगी पार्टियों तक, हवाई जहाज से लेकर यॉट की खरीद तक वैभव का प्रदर्शन करने वाले लोगों की एक श्रृंखला मिलेगी, जो बैंकों को दिवालियापन सौगात में देते हैं। लकदक शादियों को हसरत भरी निगाहों से देखने वाले आम लोगों को शायद इस बात का एहसास भी नहीं है कि सारे खाली खजाने आखिर में उन्हें और उनकी आने वाली पीढ़ियों को अपने ही खून-पसीने की कमाई से भरने हैं।

रूठे महाप्रभु लौट रहे है अपने धाम

शहर में जगह जगह महाप्रभु की आरती वंदना के साथ हो रहा स्वागत

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, जगत के पालनहार महाप्रभु जगन्नाथ जी अपने धाम वापस लौट रहे है। भगवान की वापसी रथ यात्रा मुख्य मार्ग से हो कर जगन्नाथ चौक पहुँचेगी। शहर में जगह जगह महाप्रभु का आरती वंदन स्वागत किया जा रहा। भारत सेवा दल अखाड़ा, व अन्य अखाड़े ऐतिहासिक रथ यात्रा की अगुवाई कर रहा है। यात्रा में बिभिन्न प्रकार की नृत्य मंडली, रास लीला मण्डली, भक्ति भाव के साथ नृत्य कर रहे भक्त जन भक्ति भाव भजन कीर्तन के साथ भगवान का रथ

खीच रहे है । रथ यात्रा के लिए मार्ग में विशेष साज सज्जा की गई है।महाप्रभु के दर्शनों के लिए बड़ी संख्या भक्तों का सैलाव उमड़ पड़ा है रथ यात्रा धीरे धीरे अपने गंतव्य की ओर बढ़ रही है। इस दौरान जगह जगह प्रसाद वितरण किया जा रहा है। रथ यात्रा को लेकर पुलिस भी चाक चौकस नजर आ रही है।

आगामी त्यौहारों को शांति रुप से मनाने हेतु

थाने में आयोजित हुई शांति समिति की बैठक

बैठक में राजनीतिक, सामाजिक, प्रबुद्ध जन गणमान्य नागरिक, सरपंच, उपसरपंच पुलिसकर्मी समेत अन्य लोग उपस्थित रहे

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा। बालाघाट, लालबर्रा थाने में 16 जुलाई दिन मंगलवार को दोपहर 12 बजे से थाना परिसर में शांति समीति बैठक का आयोजन किया गया है। उक्त आयोजित बैठक थाना प्रभारी उपनिरीक्षक हेमंत नायक की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आहूत की गई। जिसमें आगामी 17 जुलाई को सम्पन्न होने वाले मुस्लिम त्यौहार मुहर्रम व हिन्दुओं का एक महिने तक चलने वाला सावन जो 21 जुलाई से प्रारंभ होगा तथा 19 अगस्त तक चलेगा इन्हीं त्यौंहारों को लेकर शांति समीति बैठक का आयोजन किया गया जिसमें यह दोनों त्यौहार आपसी भाईचारा व शांति से सम्पन्न हो किसी प्रकार कि शांति भंग ना हो शहर में अमन शांति बनी रहे इसके लिए पुलिस ने उपस्थित लोगों से सुझाव मांगे जिस पर उपस्थित लोगों ने अपने अपने सुझाव भी दिए हैं वहीं उक्त आयोजित बैठक में उपस्थित लोगों ने अन्य और बातों से अवगत कराया है जिसे थाना प्रभारी हेमंत नायक ने भविष्य में अमल में लाने कि बात कहते हुए उपस्थितों को पूर्ण रूप से आश्वस्त करते हुए पुलिस को सहयोग करने कि बात कही है। वहीं थाना प्रभारी हेमंत नायक ने चर्चा करते हुए बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों से मिले दिशा निर्देश के तहत थाना में शांति समीति बैठक का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र के जनप्रतिनिधि शामिल हुए तथा आगामी दिनों में मुहर्रम व हिन्दुओं का सावन का त्यौहार समन्न होना है इसी को आपसी चर्चा करते हुए सुझाव मांगे हैं। वहीं बैठक में राजनीतिक, सामाजिक, प्रबुद्ध जन गणमान्य नागरिक उपस्थित हुए जिनमें प्रमुख रूप से अरविंद पंचेश्वर सरपंच बेलगांव, दिलीप टेम्भरे सरपंच प्रतिनिधि बेहरई, अफसर कुरैशी उपसरपंच अमोली,अय्युब भारती, गिरीश पाठक, देवेंद्र अवधिया, करीम रंगरेज, फुंडेकर, सहित अन्य और भी लोग एवं पत्रकार बंधु सहित समस्त पुलिसकर्मी उपस्थित रहे हैं।

शिवपुरी के महेशपुर सरपंच

हर वर्ष करते है पौधरोपण

छायादार 600 पौधों का किया गया रोपण, लगाए पौधो को जिन्दा रखने पर फोकस

कुलदीप गुप्ता । सिटी चीफ
शिवपुरी, शिवपुरी जिले की महेशपुर पंचायत के सरपंच रामप्रकाश धाकड़ प्रतिवर्ष वृक्षारोपण कर चर्चा में इसलिए रहते है क्युकी ये बाकी सरपंचो की तरह खानापूर्ति न कर पौधो की देखभाल कर उनको जीवित रखते है इस वर्ष अत्यधिक तापमान का दोषरोपण एक दूसरे पर कर रहे थे तब इन्होने हरवर्ष से अधिक पौधे इस वर्ष लगाने की ठानी ! महेशपुर पंचायत में शान्तिधाम के बगल मे खाली पड़ी भूमि पर 600 पेड़ सरपंच सचिव ने लगाए ये सभी पेड़ छायादार पेड़ है इनकी सुरक्षा की दृष्टि से पिछले 15 दिन से यहाँ दिनरात खाली बोल्डर की बाउंड्री का काम चल रहा था एवं वृक्षरोपण के लिए साइट सिलेक्शन इंजीनियर एमपी सिंह ने अच्छा किया है जहा बगल में ही पर्याप्त पानी की व्यवस्था तालाब के रूप में है सरपंच ने बताया कि 600 पौधे ही 5 साल तक जिन्दा रहे ये मेरी कोशिश रहेगी , इसके लिए चाहे मुझे

दिनरात भिड़ना पड़े ! इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती नेहा यादव उपस्थित रही एवं अध्यक्षता प्रहलाद भारती ने की , श्रीमती नेहा यादव ने कहा कि सरपंच महेशपुर का वास्तव में सराहनीय कार्य है एवं इनके द्वारा पौधो की उत्तरजीविता पर विशेष ध्यान देकर पुण्य का काम किया है सबसे ज्यादा ध्यान देने वाली बात ये है कि इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में सभी ग्रामीणों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया एवं एक एक पौधे को जीवित रखने के सम्बन्ध में सहमति व्यक्त की ! कार्यक्रम में सीईओ जिला पंचायत शिवपुरी उमराव मरावी भी उपस्थित रहे, उन्होंने भी पौधरोपण किया और इंजीनियर, सचिव को वृक्षारोपण के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिए, एवं उनके द्वारा समय समय पर निरिक्षण करने के निर्देश दिए कार्यक्रम में सहायक यंत्री कुशवाह, एपीओ अमित श्रीवास्तव , इंजीनियर एमपी सिंह, सचिव भारत सुमन त्रिवेदी, रोजगार सहायक योगेंद्र धाकड़ एवं समस्त ग्रामवासी उपस्थित थे !

यौमे आशुरा पर याद किये जायेंगे हजरत इमाम हसन-हुसैन व उनके 72 जानिसार

यौमें आशुरा यानी की दसवीं तारीख को सुबह 9:00 मस्जिद में असुरा की दुआ की जाएगी

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा । बालाघाट, इस्लामी साल का पहला महिना, मोहर्रम जिसकी 10 तारीख को याने कि 17 जुलाई को यौमे आशुरा के दिन हजरत इमाम हसन हुसैन वह उनके 72 जानिसारों को याद किया जाएगा। उक्ताशय जानकारी देते हुए राजा मस्जिद अमोली सदर हाजी अनवर यासिनी ने बताया कि इस्लामी साल के पहले दिन से ही रजा मस्जिद में हजरत इमाम हसन हुसैन वह उनके फरजंदो को मिलाद तकरीर के माध्यम से याद किया जा रहा है, इसी परिपेक्ष में यौमें आशुरा यानी की दसवीं तारीख को सुबह 9:00 मस्जिद में असुरा की दुआ की जाएगी। श्री यासिनि ने बताया कि कोरोना बीमारी के चलते विगत 3 वर्षों से स्टैंड एवं मजरे पाक के सारे प्रोग्राम स्थगित कर दिए गए हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आशुरा के दिन का ऐतिहासिक महत्व है। यौमे आशुरा इस्लामिक तारीख के मुताबिक बहुत ही फजीलत और अजमत वाला दिन

है, क्योंकि यौमे आशुरा के दिन ही हजरत आदम की दुआयें कबूल हुई, इसी दिन हजरत नूह की कश्ती जूदी पहाड़ी के किनारे लगी। इसी दिन हजरत इब्राहिम पर आग, गुलजार हुई और इसी दिन हजरत ईसा आसमान पर उठा लिए गए तथा इसी दिन हजरत ईमाम हुसैन और उनके 72 जानिसार की कर्बला में शहादत हुई थी। यौमे आशुरा के रोजे का भी अत्यंत महत्व हैं। इसलिए मुस्लिम धर्मावलंबी रोजे का ऐहतेमाम करते है और शहीदाने कर्बला की याद में नगपुरा, निलजी, बोरी व बघोली सहित अन्य जगहों पर शरबत तथा खिचड़ा सहित लंगर का भी इंतजाम किया जाता है।

सरपंच संघ की बैठक 20 को होगी आयोजित

सरकार अपना काला कानून ले वापस नही तो होगी पंचायतों में ताला बंदी-वैभवसिंह

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा। बालाघाट, सरपंच संघ जिलाध्यक्ष वैभवसिंह बिसेन ने जारी बयान में कहा कि मनरेगा को लेकर सरकार अपना काला कानुन वापस ले, अन्यथा पंचायतो में तालाबंदी की जाएगी। जारी बयान में सरपंच संघ अध्यक्ष वैभवसिंह बिसेन ने बताया कि शासन, के 1 जुलाई को मनरेगा संबंधी कार्यों पर मटेरियल सामग्री संबंधी सभी काम समाप्त करने का जो आदेश पारित किया गया है, वह काला कानून है। जिस आदेश के खिलाफ पंचायत सरपंच ने तय किया है कि यदि सरकार यह आदेश वापस नहीं लेती है तो पंचायतो में तालाबंदी की जाएगी। उन्होंने बताया कि मनरेगा को लेकर सरकार के आदेश सहित रेत के आसमान छूते दाम, पंचायतो के संचालन में आ रही समस्याओं को लेकर, जिला और ब्लॉक सरपंच संघ की बैठक आगामी 20 जुलाई, शनिवार को दोपहर 1 बजे जनपद पंचायत कार्यालय बालाघाट आहूत की गई है। जिसमें जिले के सभी पंचायतो के सरपंचों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थिति की अपील की गई है। जिला सरपंच संघ अध्यक्ष वैभवसिंह बिसेन ने कहा कि बैठक में संगठनात्मक विषयों पर भी चर्चा की जाएगी और मनरेगा को लेकर सरकार के आदेश के खिलाफ, सरपंचो की रणनीत की रूपरेखा भी तैयार की जाएगी। जिसमें आगामी 23 जुलाई को मुख्यमंत्री आवास के घेराव एवं आंदोलन को लेकर चर्चा की जाएगी।

शिवपुरी के खनियांधाना की एक मात्र गैस

एजेंसी पर लगती है लम्बी लम्बी लाइन

फिर भी नही मिल रहे उपभोक्ताओं को रसोई गैस सिलेंडर

कुलदीप गुप्ता । सिटी चीफ
शिवपुरी, शिवपुरी जिले की खनियाधाना तहसील सहित आसपास के लोगों को रसोई गैस सिलिंडर के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खनियांधाना शिवपुरी जिले की सबसे बड़ी जनपद पंचायत है जिसके अंडर में 101 ग्राम पंचायत आती हैं और 500 से अधिक गांव आते है सबसे बड़ी बात है सर्वाधिक संख्या होने के बावजूद भी क्षेत्र में एक मात्र एक गैस एजेंसी है। गैस संचालक की मनमानी के शिकार 101 ग्राम पंचायत के 500 गांव के उपभोक्ताओं को परेशानी उठाना पड़ता है। साथ ही किसानों को अपने खेतो में बुवाई करना आदि काम और उपभोक्ताओं को अपने जरूरी काम छोड़कर सुबह से ही गैस एजेंसी पर लम्बी लम्बी लाइनों में लगना पड़ रहा है।

गौरतलब बात ये है कि एक दिन में महज 90 सिलेंडर ही बांटे जाते है और कई उपभोक्ता ऐसे भी है जो सुबह से लाइन में लगने के बाद भी बगैर सिलेंडर लिए बापस लौट जाते है। स्थिति इतनी बिकट है कि बस स्टैंड से तहसील जाने बाला मार्ग पूर्ण रूप से बंद हो जाता है आपको बता दें कि एक रसोई गैस सिलेंडर की शासकीय कीमत 882 रुपए है पर एजेंसी संचालक द्वारा 885 रुपये लिए जाते हैं आप खुद सोच सकते हैं की एक रसोई गैस सिलेंडर पर 3 रुपये बचाये जा रहे है तो हजारों सिलेंडरों पर लाखों रुपए का मुनाफा कमाया जा रहा है प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत हितग्राहियों को निशुल्क गैस सिलेंडर वितरण करने के आदेश केंद्र सरकार ने दिए थे पर एजेंसी संचालक द्वारा इनहितग्राहियों से भी 1000 से 1500 रुपये वसूले हैं।

नगर विधायक राजीव गुम्बर ने ढमोला नदी के सफाई कार्य का किया निरीक्षण

गुंबर ने कार्यों में तेजी लाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, नगर विधायक राजीव गुम्बर ने आज ढमोला नदी पर चल रहे सफाई कार्यो का नगर निगम एवं सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। उनके निर्देश पर आज सिंचाई विभाग द्वारा दो अतिरिक्त पोकलेन मशीन जेल चुंगी सेतिया बिहार एवं विश्वकर्मा चौक के पास ढमोला नदी में सिल्ट इत्यादि की सफाई के लिए लगाई गई। अभी तक नगर निगम द्वारा तीन पोकलेन मशीन और जेसीबी इत्यादि के द्वारा नदी में सफाई कार्य चल रहा था। विधायक राजीव गुम्बर ने पांवधोई नदी में

चल रहे सफाई अभियान का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों से कहा कि जो मलबा और कूड़ा इत्यादि निकल रहा है उसे तत्काल ट्रालियों के माध्यम से किनारो से हटवा कर किसी अन्य स्थान पर डलवाया जाए। जिससे पानी आने पर यह मलबा व कूड़ा दोबारा नदी में न जाए। विधायक राजीव गुम्बर ने अधिकारियों को इस बात के लिए भी चेताया कि वह प्रतिदिन इन क्षेत्रों में दौरा कर कार्य की समीक्षा करेंगे। इस दौरान पार्षद के के बत्रा, पार्षद बबलू तोमर, भाजपा महानगर महामंत्री योग चुघ, मंडल अध्यक्ष राजकुमार कालड़ा, अक्षु, प्रदीप शर्मा, हरजीत नरूला, सुमित अरोड़ा, जसवीर मोगा, नगर निगम नगर से राजेश यादव, राजीव कुमार, आलोक श्रीवास्तव, सिंचाई विभाग के ए ई राहुल कुमार आदि उपस्थित रहे।

आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में पूर्व सांसद प्रदीप चौधरी और नकुड़ के पूर्व विधायक महिपाल सिंह माजरा अदालत में पेश हुए

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में पूर्व सांसद प्रदीप चौधरी और नकुड़ के पूर्व विधायक महिपाल सिंह माजरा अदालत में पेश हुए। पूर्व सांसद प्रदीप चौधरी ने अपर मुख्य न्यायायिक मजिस्ट्रेट कक्ष संख्या तृतीय/ विशेष न्यायाधीश एमपी एमएलए कोर्ट की जज प्रियंका वर्मा की अदालत में वारंट रिकॉल कराए, जबकि पूर्व विधायक पहले ही जमानत ले चुके हैं।कोतवाली नकुड़ में विधानसभा चुनाव के दौरान 2007 में भाजपा के पूर्व कैराना सांसद प्रदीप चौधरी और नकुड़ के पूर्व विधायक महिपाल सिंह माजरा के खिलाफ आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का मामला दर्ज हुआ था। पिछली तारीखों पर अदालत में पेश न होने पर पूर्व विधायक के खिलाफ न्यायालय ने गैर जमानती वारंट जारी किए थे। तब, उन्होंने कोर्ट में पेश होकर जमानत ली थी, जबकि पूर्व सांसद प्रदीप चौधरी पहले ही जमानत ले चुके हैं। पिछली कुछ तारीखों से वह अदालत में पेश नहीं हुए। इस पर अदालत ने वारंट जारी किए थे, जिन्हें पूर्व सांसद ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से अदालत में पेश होकर रिकॉल कराए हैं, जबकि पूर्व विधायक तारीख पर पेश हुए हैं। सरकार की तरफ से अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट/ विशेष न्यायाधीश एमपी एमएलए कोर्ट की न्यायाधीश प्रियंका वर्मा की अदालत में विशेष लोक अभियोजक गुलाब सिंह मुकदमा लड़ रहे हैं।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया मायापुर थाने का घेराव

उचित कार्यवाही करने के लिए दिया ज्ञापन

कुलदीप गुप्ता । सिटी चीफ
शिवपुरी, शिवपुरी जिले के बामौरकला थाना क्षेत्र में एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है जिसमें मायापुर थाना की डायल 100 के चालक अजय योगी और होम गार्ड सैनिक सुरेन्द्र सिंह चौहान द्वारा एक युवक की मारपीट की जा रही है । वायरल वीडियो में डायल 100 के चालक व होमगार्ड सैनिक ने युवक को मारते हुए खनियांधाना पिछोर विधायक प्रीतम सिंह लोधी को गालियां दी जिसके बाद विधायक प्रीतम सिंह ने अपने फेसबुक से एक वीडियो जारी किया जिसमें उन्होंने कहा कि अगर इस तरह मुझे और मेरे कार्यकर्ताओं को टारगेट करके बदनाम करने की साजिश रची गई है जिससे में बहुत दुखी हूं और प्रशासन ने अगर साजिस रचने

वाले लोगों पर कोई कार्यवाही नहीं की तो मैं विधानसभा से इस्तीफा दे दूंगा । इस पूरे घटनाक्रम के बाद आज भाजपा कार्यकर्ताओं सहित प्रीतम सिंह लोधी के समर्थकों ने मायापुर थाना का घेराव किया और नारे बाजी की व थाना प्रभारी नीतू सिंह अहिरवार को ज्ञापन सौंपा जिसमें कहा गया है कि डायल 100 के चालक और होमगार्ड सिपाही पर मामला दर्ज कर तत्काल निलंबित किया जाये ।थाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं के घेराव करने एवं ज्ञापन देने से पहले ही मायापुर थाना प्रभारी नीतू सिंह अहिरवार ने डायल 100 के चालक अजय योगी एवं होमगार्ड सैनिक सुरेन्द्र सिंह चौहान के ऊपर तमाम धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

खनियाधाना पुलिस ने अछरौनी कंजर डेरा से पकडी करीब 1 लाख रुपये की अबैध कच्ची शराब

अबैध शराब बनाने बाली फैक्ट्री को किया नष्ट

कुलदीप गुप्ता । सिटी चीफ शिवपुरी, शिवपुरी पुलिस द्वारा अवैध शराब पर लगातार कार्यवाही जारी है इसी कड़ी में खनियाधाना थाना प्रभारी सुरेश शर्मा को मुखविर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि कंजर डैरा सोनी के कुआ अछरौनी मे कंजर लोग अवैध रुप से शराब उतार रहा है तथा भारी मात्रा मे अवैध रुप से शराब बिक्री करने के लिये रखे हुये है सूचना पर पुलिस द्वारा अछरौनी कंजर डेरा सोनी के कुआ पर दविश दी गई तो आरोपी सिगरेटी पुत्र नत्थू कंजर झाड़ियों का फायदा लेकर मौके से फरार हो गया मौके पर पुलिस ने एक भट्टी जिस पर शराब उतर रही थी मौके पर अबैध शराब बनाने बाली फेक्ट्री ,प्लास्टिक की दो कैन जिसमे 70 लीटर हाथ भट्टी की बनी कच्ची शराब भरी हुई थी साथ ही नीले रंग के दो ड्रम जिसमे गुड लहान 400 लीटर भरा हुआ था मौके पर नष्ट किया गया उक्त कार्यवाही में एक बड़ा ढक्कन एल्यूमीनियम का एवं एक शराब बनाने की लोहे की भट्टी कुल कीमत 1 लाख रुपये का माल जप्त कर आरोपी के विरूध्द आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया और पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुट गई.

भाटपचलाना पुलिस ने 48 घंटे के भीतर, 7 डकैत किए गिरफ्तार

नगदी सहित डकैती में प्रयुक्त सामग्री जप्त

उज्जैन। दो दिवस पूर्व कियोस्क सेंटर संचालक के साथ हुई डकैती की घटना मामले में पुलिस ने 48 घंटे के भीतर ही सभी आरोपियों को गिरफतार कर छीनी गई राशि सहित डकैती में प्रयुक्त वाहन भी जप्त किए हैं। गत 13 जुलाई, 2024 रात्रि में अजय पिता सुभाष भारद्वाज, खरसोद कलां स्थित अपने कियोस्क सेंटर को बंद कर अपने घर जा रहा था। तभी रास्ते में खरसोद कलां तथा रावदिया पीर के बीच रास्ते में बाइक सवार पांच लोगों ने सुभाष के साथ मारपीट कर बैग जिसमें 65000 रुपए नगद और बॉयोमैट्रिक मशीन रखी थी, छीनकर खरसोद कलां की तरफ भाग गये थे। मामले में भाटपचलाना पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई थी। उक्त अपराध सम्पत्ति संबंधी होकर गंभीर प्रकृति का होने के चलते अनुविभागीय अधिकारी, बड़नगर महेन्द्र सिंह परमार के नेतृत्व में अज्ञात डकैतों की धरपकड़ हेतु 4 अलग-अलग टीम गठित कर वारदात की हर एंगल से विवेचना करते हुए अपने सूत्र सक्रिय किए गए। जिसका परिणाम यह रहा कि मुखबिर की सूचना पर ओरडी-खरसोद कलां मार्ग स्थित वेयरहाउस के पास संदेही का इंतजार कर रही पुलिस टीम ने टवेरा गाड़ी रुकवाया और उसमें सवार लोगों से सख्ती पूछताछ करने पर सभी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। इसके बाद पुलिस ने विधिवत् आरोपियों को गिरफ्तार किया।

रैकी कर वारदात को दिया अंजाम -आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि पिछले 5-6 दिनों से सभी सात साथी डकैती की नीयत से कियोस्क सेंटर संचालक अजय भारद्वाज की सतत् रैकी रहे थे। घटना वाली रात्रि आरोपी रवि व गोवर्धन टवेरा कार में बैठकर फरियादी अजय की रैकी कर रहे थे। जैसे फरियादी कियोस्क सेंटर से घर के निकला वैसे रवि व गोवर्धन ने अपने पांच अन्य साथियों को इशारा दिया। इशारा मिलते ही बबलू, दिलीप, संजय, कैलाश और विकास सभी निवासी कल्याणपुरा, भाटपचलाना अपनी बाईक से उसके पीछे लग गए और मौका बातें ही आरोपी दिलीप ने पीछे से फरियादी अजय की गर्दन पर वार बाइक सहित गिरा दिया और मारपीट कर रुपए व सामान से भरा बैग छीन कर खरसोद कला की तरफ भाग गए।

मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह/निकाह सम्मेलन में 326 जोड़ों के विवाह संपन्न हुये

जनप्रतिनिधियों ने वर-वधुओं को दिया शुभाशीष

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत गरीब कन्याओं का विवाह करवाने का काम प्रदेश सरकार कर रही है। प्रदेश सरकार गरीबों का हित चाहने वाली सरकार है। प्रदेश सरकार निरंतर महिला सशक्तिकरण के लिए काम कर रही है और निरंतर विवाह सम्मेलनों के माध्यम से गरीब कन्याओं के विवाह करवाने का काम किया जा रहा हैं। मैं विधायक उमादेवी खटीक जी को बहुत-बहुत बधाई देता हूं उन्होंने बहुत अच्छा मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना का यह सम्मेलन करवाया है, निश्चित रूप से यह सम्मेलन वरदान सिद्ध होगा। इस आशय के विचार प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी ने हटा कृषि उपज मण्डी में आयोजित मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत कन्या विवाह/निकाह सम्मेलन में व्यक्त किये। राज्यमंत्री ने कहा 14 जुलाई को तेंदूखेड़ा में 1971 जोड़ों के विवाह संपन्न करवाये गये है, विधायक जयंत मलैया के नेतृत्व में दमोह में लगभग 617 से अधिक जोड़ों के विवाह संपन्न हुए और यहां भी लगभग 326 कन्याओं के विवाह करवाने का कार्यक्रम किया गया है। दमोह सांसद राहुल सिंह लोधी ने कहा आज दमोह संसदीय क्षेत्र के हटा विधानसभा में अंतिम सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया है। दमोह विधानसभा का सामूहिक विवाह सम्मेलन भी संपन्न हुआ । दमोह संसदीय क्षेत्र के पूरे आठों विधानसभाओं का जोड़ करूं तो इस बार करीब 5000 से भी ज्यादा पुण्य विवाह मंत्रियों और विधायकों के नेतृत्व में किए गए हैं। मैं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी का साधुवाद करता हूं, जिनकी दूरगामी सोच से और भारतीय जनता पार्टी की अंत्योदय की सोच से हम लोग निरंतर काम कर रहे हैं, इसका उद्देश्य केवल यह है कि कोई भी पिछड़ा, कोई भी गरीब व्यक्ति शादी के खर्चों के अभाव में आकर कर्ज में ना डूब जाए इसलिए यह प्रदेश सरकार की सोच है कि किसी भी वर्ग का व्यक्ति हो, किसी भी वर्ग की बेटी हो सभी के विवाह ऐसे हो जैसे बड़े परिवार के बच्चों के विवाह होते हैं, इसी अंत्योदय की भावना को लेकर सरकार निरंतर काम कर रही है। हटा विधायक उमादेवी खटीक ने कहा हटा धन्य है प्रदेश सरकार जो अंतिम छोर के व्यक्तियों के लिए, उनकी आर्थिक व्यवस्था के सुधार के लिए, आत्मनिर्भर बनाने के लिए बहुत सी योजनाएं चला रही है, जिसमें मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह/निकाह योजना भी बहुत महत्वपूर्ण योजना है और कन्यादान करना भी बहुत महत्वपूर्ण कार्य है। विधानसभा में शासन के मंशानुरूप मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह/निकाह सम्मेलन में 326 जोड़ों का विवाह बहुत ही सफलता पूर्वक संपन्न हुये है, वर-वधुओं को और उनके अभिभावकों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो इसके प्रयास किये गये है। उन्होंने कहा हम स्वयं देख रहे हैं, स्वयं वर-वधुओं के पालक बने हैं। आज हृदय हर्ष से गर्वित भी है और दुख में भी है, 326 बच्चियों के विवाह करके माँ के समान विदा कर रहे हैं। इस नाते जिन बेटियों का कन्यादान किया है, उन बेटियों को संदेश देना चाहती हूं, कि अपने परिवार में निभाकर चलना, क्योंकि बेटियां दोनों कुल की होती हैं और दोनों कुलों की लाज रखते हुए निभायेंगी ऐसा मुझे विश्वास है। उन्होंने वर पक्ष को भी संदेश दिया है कि अपना परिवार लेकर चलें। विधायक खटीक ने सभी को सुखी, संपन्न और समृद्ध रहने की बहुत-बहुत शुभकामनाएं दी। म.प्र. पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरकार गरीबो की चिंता कर कन्याओं को अपनी बेटी मानती हैं, इसी कारण बेटी-बचाओ, बेटी-पढ़ाओ का नारा देकर योजनाओं को ला रही हैं। पूर्व वित्त मंत्री एवं दमोह विधायक जयंत मलैया ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार बेटियों को आत्म निर्भर बनाने की दिशा में सोच रही हैं, यही कारण है कि प्रदेश सरकार लाड़ली लक्ष्मी, योजना लेकर आई, फिर पढ़ाई के लिए गांव की बेटी से लेकर कन्यादान योजना बनाई। उन्होंने कहा लाड़ली लक्ष्मी से लेकर लाड़ली बहना योजना महिला सशक्तिकरण का मुख्य उद्देश्य है। विधायक मलैया वर-वधुओं को नव जीवन में प्रवेश करने की शुभकामनायें दी। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रीतम सिंह लोधी ने कहा कि अंत्योदय के सपने देखने वाली पार्टी अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति की चिंता कर रही हैं इसलिए हमारी सरकार एक गरीब परिवार की बेटी के विवाह की चिंता अभिभावक बनकर कर रही हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तोर पे जनभागीदारी अध्यक्ष : श्री विपुल जी कसेरा, एवं बराडा जिला भाजपा महामंत्री श्री संतोष समेत अन्य लोग उपस्तिथ रहे

शाजापुर के बी.के.एस.एन गवर्नमेंट कॉलेज में अल्पकालीन व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ शाजापुर, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बी.के.एस.एन गवर्नमेंट कॉलेज शाजापुर में दिनांक 15.07.2024 से 29.07.2024 तक चलने वाले अल्पकालीन व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री विपुल जी कसेरा जनभागीदारी अध्यक्ष एवं विशेष अतिथि भाजपा जिला महामंत्री श्री संतोष बराडा, भाजपा नगर अध्यक्ष श्री नवीन राठौर, जिला मीडिया प्रभारी श्री विजय जोशी, जनभागीदारी सदस्य श्री सावनसिंह दलोदिया, जिला सह कार्यालय मंत्री श्री दीपक वर्मा, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नगरमंत्री श्री पवन गुर्जर उपस्थित रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी. एस. विभूति ने की। सर्वप्रथम मॉ सरस्वती जी की प्रतिमा के समक्ष दीपप्रज्जवलन एवं माल्यार्पण किया गया। जिला समन्वयक डॉ. आर.सी चैहान ने जानकारी दी आपने कहा कि 60 घंटे संचालित होने वाले प्रशिक्षण में छात्रों को बायोडाटा तैयार करना, साक्षात्कार कम्प्यूटर की बेसिक जानकारी, मनोवैज्ञानिक परीक्षण आदि के बारे में प्रशिक्षण दिया जायेगा। मुख्य अतिथि श्री कसेरा ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण नवीन शिक्षा नीति के उद्देश्यों के पूर्ण करने में सहायक सिद्ध होंगे। प्राचार्य डॉ. विभूति ने कहा कि महाविद्यालय वातावरण निर्माण का कार्य करते है इसी के तहत इस प्रशिक्षण के माध्यम से रोजगार के अवसरों में हो रहे है परिवर्तनों के बारे में छात्रों को अवगत कराया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आर.सी चैहान ने किया एवं आभार डॉ. बी.के.सोलंकी ने माना। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो.मीनू गिडवानी, डॉ. वी.पी.मीणा, प्रो. प्रकाश बर्फा आदि उपस्थित रहें।

भाई बहन दक्ष कनिष्का ने लगाया एक पौधा मां के नाम

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक संदेश दिया एक पेड़ मां के नाम ।अब यह संदेश जन आंदोलन बन गया है कहीं न कही रोज वृक्षारोपण किया जा रहा है।जहां सभी जनप्रतिनिधि अधिकारी कर्मचारी वृक्षारोपण में लगे हुए हैं वहीं अब छोटे-छोटे बच्चे भी इसमें शामिल हो चुके हैं आज ग्राम पंचायत इमलाई के दक्षराज और कनिष्का राज ने अपने मां के नाम आम का पौधा लगाया और यह संदेश दिया है कि आप भी एक पेड़ मां के नाम जरूर लगाए दक्ष का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा यह आवाहन किया गया है कि सभी लोग एक पेड़ मां के नाम जरूर लगाए जिसके तहत आज मैंने भी अपनी मां के नाम एक पेड़ लगाया है जिसमें मेरी बहन कनिष्का राज ने सहयोग किया। हम आपको बता दें कि दक्षराज कक्षा सातवीं एवं कनिष्का राज कक्षा तीसरी की छात्रा है पर्यावरण के प्रति दक्ष की रुचि देखी जा सकती है उसने अपने घर में कई प्रकार के पेड़ पौधे लगाए हुए हैं जिसको वह सुबह शाम पानी देता है वह ने भगवान की तरह समझता है और कहता है कि पेड़ो में भी भगवान विराजमान है।

यूपी-हरियाणा सीमा प्रकरण पर हुई चर्चा

मण्डलायुक्त मेरठ की अध्यक्षता में होगा टीम का पुनर्गठन, टेक्निकल टीम में सेतु निगम के अधिकारी होंगे शामिल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, अध्यक्ष राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश शासन डॉ0 रजनीश दुबे की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में उत्तर प्रदेश-हरियाणा सीमा विवाद, दीक्षित अवॉर्ड तथा रिकॉर्ड ऑपरेशन पर मण्डलायुक्त, जिलाधिकारी, हरियाणा एवं सर्वे ऑफ इण्डिया के पदाधिकारियों के साथ चर्चा हुई। डॉ0 रजनीश दुबे ने उत्तर प्रदेश-हरियाणा सीमा प्रकरण में मण्डलायुक्त मेरठ की अध्यक्षता में गठित टीम को पुनर्गठित करते हुए पीडब्ल्यूडी के 03, सेतु निगम के 02 एवं सिंचाई विभाग के 01 अधीक्षण अभियन्ता स्तर के अधिकारी शामिल करने के निर्देश दिए। नदी तल में लगने वाले सीमा स्तम्भों के संबंध में एनजीटी के प्रकरण होने बैठक कर ली जाए। उन्होंने मण्डलायुक्त मेरठ को निर्देश दिए कि कार्य की प्रगति हेतु संबंधित जिलाधिकारियों एवं टीम के अन्य सदस्यों के साथ बैठक कर ली जाए। सीमा स्तम्भों के निर्माण एवं स्थापना हेतु किये जाने वाली विभिन्न कार्यवाहियों के लिए समय सीमा निर्धारित की जाए। आवश्यकतानुसार मृदा परीक्षण भी किया जाए। जनपद सहारनपुर को इस कार्य हेतु पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चुना गया है। इस कार्य के लिए एसडीएम नकुड को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। इसके पश्चात उन्होंने जनपद के अधिवक्ताओं से संवाद किया। संवाद के दौरान जनपद के अधिवक्ताओं से समस्याओं एवं उनके सुझाव के बारे में भी जाना। उन्होंने जनपद सहारनपुर के प्रबुद्धजनों की सराहना करते हुए कहा कि कहा कि इस जनपद का सामाजिक आधार काफी मजबूत है एवं यहां के प्रबुद्धजन एवं कृषक बंधु अग्रगामी सोच रखते है। उन्होने अधिवक्ताओं की समस्याओं के समाधान हेतु संभव प्रयास करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर मंडलायुक्त डॉक्टर हृषिकेश भास्कर यशोद, जिलाधिकारी मनीष बंसल, अपर आयुक्त प्रशासन सुरेन्द्र राम, उप भूमि व्यवस्था आयुक्त भीष्मलाल वर्मा, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ अर्चना द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र, विशेष कार्यधिकारी सुनील झा सहित जनपद के अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

अध्यक्ष राजस्व परिषद डॉ. रजनीश दुबे ने की राजस्व कार्यों की गहन समीक्षा

रियल टाइम खतौनी एक महत्वपूर्ण कार्य, इसके आने वाले समय में मिलेंगे बेहतरीन परिणाम : डॉ रजनीश दुबे

गौरव सिंघल। सिटी चीफ सहारनपुर, अध्यक्ष राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश शासन रजनीश दुबे की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में राजस्व कार्यों की गहन समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में रियल टाइम खतौनी निर्माण, स्वामित्व योजना, लम्बित राजस्व वाद, राजस्व वसूली, वरासत प्रकरण एवं पैमाइश मामलों की समीक्षा की गई। मण्डलायुक्त ने अध्यक्ष को स्मृति चिन्ह तथा जिलाधिकारी ने अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर अध्यक्ष और मण्डलायुक्त ने कलेक्ट्रेट परिसर में गुलमोहर की प्रजाति का जकरण्डा एवं जिलाधिकारी ने गुलमोहर का पौधा रोपित किया। उन्होंने कलेक्ट्रेट परिसर में फीता काटकर वाटर कूलर का उद्घाटन किया। उन्होंने राजस्व अधिकारियों से कहा कि अपनी प्राप्त मजिस्ट्रेट की शक्तियों को सकारात्मक दिशा में प्रयोग करें तथा प्रोएक्टिव रहते हुए लीडरशिप बनाए रखें। राजस्व वसूली एक जरूरी कार्य है जिस पर लापरवाही न की जाए। सभी राजस्व अधिकारी कलेक्शन मैनुअल को जरूर पढें। उन्होंने अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को सभी तहसीलों में कलेक्शन मैनुअल की किताबें रखवाने के निर्देश दिए। उन्होंने मानक और दायरे के अनुसार न्यायालयों में लम्बित वादों के निस्तारण करने के निर्देश दिए। डॉ0 रजनीश दुबे ने सभी राजस्व अधिकारियों से जनपद में लम्बित वादों की यथास्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी वादों का यथाशीघ्र निस्तारण कराया जाए। साथ ही साथ सभी मजिस्ट्रेट वादों का निस्तारण करते समय न्याय संगत आदेश करना सुनिश्चित करें। उन्होंने धारा 80 के तहत आने वाले प्रकरणों को भी यथाशीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होने एक पक्षीय आदेश के मामलों के अवसर देने की बात कही। कर-करेत्तर में जनपद के वार्षिक लक्ष्य को विगत वर्ष के सापेक्ष कम से कम 20 प्रतिशत बढाया जाए। उन्होंने कहा कि जनपद के 10 बडे बकाएदारों की बनी हुई सूची को पुन: चैक करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकारी एवं ग्राम सभा की भूमि को कब्जा मुक्त करवाया जाए तथा उन पर पुन: कब्जा न हो इसके लिए पेडों की बाउण्ड्री बनाते हुए नेपियर घास की बुवाई की जाए। यह एक प्रीमियम घास है जिससे बेजुबान पशुओं को वर्ष भर हरा एवं पौष्टिक चारे की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जा सकती है। यह नेपियर घास की बुवाई का उपयुक्त समय है। इसी के साथ नेपियर घास का अभिलेखीकरण भी कराया जाए। सीमा स्तम्भ लगाए जाने का कार्य एक महत्वपूर्ण कार्य है जिसको लेखपालों द्वारा किया गया है इसका सत्यापन उच्च अधिकारियों से कराया जाए। जो सीमा स्तम्भ जर्जर अवस्था में उनकी सूची बनवा ली जाए। शेष रियल टाइम खतौनी का कार्य 25 जुलाई तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। अंश निर्धारण में प्रगति आवश्यक है तथा अंश निर्धारण में शुद्धता जरूरी है। मानसून में इस कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए। ई-खसरा पडताल को 31 सितम्बर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। राजस्व परिषद के अध्यक्ष ने जिलाधिकारी के कार्यों एवं कार्यशैली की प्रशंसा की। उन्होने जिलाधिकारी द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार के साथ राजस्व परिषद के लोगो का प्रपत्रों में प्रयोग करने पर सराहना की तथा उस लोगो के बारे में अधिकारियों को विस्तार से बताया। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने राजस्व परिषद के अध्यक्ष को आश्वस्त किया कि उनके द्वारा दिये गये निर्देशों का अक्षरश: अनुपालन किया जाएगा। उन्होने कहा कि आपका मार्गदर्शन पाना हमारा सौभाग्य है। बैठक में मंडलायुक्त डॉक्टर हृषिकेश भास्कर यशोद, जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल, अपर आयुक्त प्रशासन सुरेन्द्र राम, उप भूमि व्यवस्था आयुक्त भीष्मलाल वर्मा, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ अर्चना द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र, विशेष कार्यधिकारी सुनील झा, समस्त उपजिलाधिकारी, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

कलेक्टर द्वारा जनसुनवाई के दौरान प्राप्त आवेदनों के निराकरण के दिये निर्देश

जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित 308 आवेदन हुए प्राप्त

गुना

समस्त अनुभाग स्तर पर भी जनसुनवाई का किया गया आयोजन

जिला कलेक्ट्रेट के जनुसनवाई कक्ष में आज कलेक्टर डॉ. सतेन्द्र सिंह द्वारा जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन कर आमजनों की समस्याओं और निराकरण के निर्देश दिये गये। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री प्रथम कौशिक, अपर कलेक्टर श्री अखिलेश जैन, संयुक्त कलेक्टर श्री महेश बमन्हा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमति जिया फातिमा, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विशाल सिंह सहित विभिन्न जिला अधिकारीगण उपस्थित रहे। आज जिला स्तर पर आयोजित जनसुनवाई के दौरान राजस्व विभाग, बैंक, सहकारिता, वन, स्वास्थ्य, नगर पालिका, ग्रामीण विकास विभाग, पुलिस विभाग, खाद्य सहित विभिन्न विभागों से संबंधित 308 आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर कलेक्टर द्वारा संबंधित अधिकारियों को समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिये गये। जनसुनवाई के दौरान पारदी समुदाय की महिलाओं द्वारा देवा पारदी की पुलिस कस्टडी में मौत से संबंधित कार्यवाही के संबंध में आवेदन दिया जिसे कलेक्टर द्वारा गंभीरतापूर्वक सुना तथा उन्हें अवगत कराया गया कि प्रकरण की न्यायिक जांच हो रही है। आज जिले में सभी अनुभाग स्तर पर भी जनसुनवाई का आयोजन किया गया, जिसमें संबंधित अनुविभागीय अधिकारी द्वारा विकास खण्ड स्तरीय अमले के साथ बैठकर आवेदकों से प्राप्त आवेदन/शिकायत से संबंधित जनसुनवाई की गई।

गुणायतन प्रणेता मुनि श्री प्रमाण सागर जी का नगर में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

इंदौर । मां अहिल्या की नगरी इंदौर के पुण्य उदय से श्रमण संस्कृति के महामहिम आचार्य श्री विद्यासागर जी , आचार्य श्री समय सागर जी के परम प्रभावक शिष्य मुनी श्री प्रमाण सागर जी मुनी श्री निरवेंग सागर जी, मुनी श्री संधान सागर जी क्षुल्लक श्री आदर सागर जी ,समादार सागर जी,चिदुपसागर जी, स्वरुप सागर जी,सुभग सागर जी संसघ का आज इंदौर नगर में अति भव्य मंगलमय प्रवेश हुआ । धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि उदय नगर जैन मंदिर पर मूनी संसघ की सर्व प्रथम मंगल अगवानी मुनि श्री विनम्र सागर जी संसघ अगवानी कर दोनों संघों का अति भव्य मंगलमय मिलन हुआ । तत् पश्चात् उदय नगर मंदिर से समोशरण मंदिर जी के लिए भव्य शोभायात्रा यात्रा के साथ विहार हुआ रास्ते में जगह जगह मुनि श्री के पाद प्रक्षालन व आरती समाजजनों द्वारा उतारी गई । प्रवेश के दोरान मार्ग में लाइव भव्य रंगोली, धर्म प्रभावना

समिति का बेनर ,हाथी, घोड़े सुदर्शनीय रथ,दिव्य घोष, महिला संगठन के बेंड, भटिंडा पंजाब बेंड राजशाही लवाजमा , शोभायात्रा में , महिला मंडल महिला संगठन महिला परिषद् मंगल कलश लिए हाथों में जिनशासन का पंचरगी झंडा लेकर चल रहे थे। युवा वर्ग एवं समाज जन मूनी श्री के पीछे जय घोष करते हुए चल रहे थे । सभी समाज जन अपने अपने अलग ड्रेस कोड में थे। पुरुष वर्ग सफेद ड्रेस में और महिला केशरीया साड़ी में थी मुनी श्री उदय नगर मंदिर से, गोयल नगर मंदिर, से तिलक नगर मंदिर से नये लाल मंदिर से प्रमुख मार्ग होते हुए समौशरण मंदिर कंचन बाग में पहुंचे और धर्म सभा को संबोधित किया मुनि श्री संसघ की अगवानी सर्व समाज जन ने की इस अवसर इदौर नगर के लोकप्रिय सांसद शंकर लालवानी दिगंबर जैन समाज समाजिक सांसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी मंत्री डॉ जैनेन्द्र जैन, महावीर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित कासलीवाल, दयोदय चेरीटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्र जैन पप्पाजी तूकोगज जैन समाज की अध्यक्ष श्रीमती रानी अशोक डोसी मनोज मुकेश बाकलीवाल राजीव जैन बंटी नवीन आनंद गोधा हर्ष जैन एम के जैन नरेंद्र वेद हंसमुख गांधी सुशील पांड्या, डीके जैन मनोज बाकलीवाल अशोक खासगीवाला भूपेंद्र जैन कमल जैन चेलेजर विपुल बाझल राजेश लारेल प्रदीप बडजात्या इन्दर सेठी अखिलेश सोधिया नवनीत जैन श्रीमती पुष्पा कासलीवाल ममता खासगीवाला अनामिका बाकलीवाल आशा सोनी सारिका जैन आदि समाज जन उपस्थित हुए। धर्म संचालन हंसमुख गांधी ने किया और आभार अजीत जैन ने माना।

कलेक्टर एवं एसपी ने मोहर्रम की तैयारियों का लिया जायज़ा

नरसिंहपुर

जिले में 17 जुलाई को मोहर्रम का पर्व मनाया जायेगा। इस दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था को लेकर कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले व पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार ने तेंदूखेड़ा व गाडरवारा तहसील का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारीद्वय ने गाडरवारा, तेंदूखेड़ा व चीचली में ताजिया स्थल पर कमेटियों द्वारा मोहर्रम पर्व की चल रही तैयारियों का जायजा लिया। कलेक्टर व एसपी ने मोहर्रम पर्व पर जुलूस, भीड़ वाले क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर विभिन्न स्थलों का निरीक्षण कर शांति व सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्यौहार मनाने की अपील की। उन्होंने गाडरवारा में नगर पालिका से श्याम टॉकीज तक पैदल मार्च भी निकाला। इस दौरान संबंधित एसडीएम और अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

यातायात को बाधित कर रहें अव्यवस्थित ठेलों एवं दुकान के बाहर रखी सामगी हटवाई

खरगोन

पुलिस प्रशासन, यातायात थाना एवं नगरपालिका ने की संयुक्त रूप से कार्यवाही

कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा ने शांति समिति की में शहर में सुगम यातायात एवं आवारा पशुओं के नियंत्रण के लिए निर्देशित किया गया। निर्देशों के परिपालन में 16 जुलाई को पुलिस प्रशासन, यातायात थाना एवं नगरपालिका द्वारा संयुक्त कार्यवाही कर दुकानदारों को दुकानों के बाहर सामग्री नहीं रखने की समझाईश दी है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री एम.आर. निगवाल द्वारा बताया कि शहर के श्री कृष्ण टाकिज से, खंडवा रोड से गायत्री मंदिर होते हुए डायवर्सन रोड, सनावद रोड पर सुगम यातायात करने के लिए अनाधिकृत रूप से अव्यवस्थित हाथ ठेलों को हटाने की कार्यवाही पुलिस प्रशासन, यातायात थाना एवं नगर पालिका टीम की द्वारा संयुक्त रूप से की है। सीएमओ श्री निंगवाल ने निकाय की राजस्व शाखा को निर्देशित किया है कि सडकों पर स्वच्छंद घुमने वाले पशुओं को पकडकर कांजी हाउस में बंद करने, गौशाला भेजने की कार्यवाही के साथ पशु मालिकों को पशु बांध कर रखे जाने खुला नहीं छोडा जाने के संबंध में मवेशियों को छोडने पर सख्त हिदायत दी जाए।

प्र.राजस्व अधिकारी श्री महेश वर्मा द्वारा बताया गया कि सडको पर बैठने वाले आवारा पशुओं को पकडने की कार्यवाही मुहिम चलाई जाकर राजस्व शाखा द्वारा की जा रही है। अब तक 325 आवारा पशुओं को पकड कर कांजी हाउस में बंद किया गया है। जिसमे 153 मवेशी अलग-अलग गौशालाओं में भेजे गये है। 172 पशु पालकों द्वारा अपने पशुओं को छुडाने के लिए 14 हजार 900 रुपये अर्थदण्ड वसूल किया गया है। समय समय पर पशु पालको को ऐलान के माध्यम से पालतु पशुओं को खुला ना छोडने की हिदायत दी जाती है। आवारा पशु रोड पर घुमते पाये जाने पर मुहिम चलाई जाकर आवारा पशुओं को समय-समय पर पकड कर कांजी हाउस में बंद भी कराया जाता है। नियत अवधि पश्चात मवेशियों को गौशाला भेजने की कार्यवाही की जाती है। इसी प्रकार निकाय की स्वास्थ्य शाखा द्वारा आवारा कुत्तो के विरूद्ध नगर पालिका द्वारा 1209 कुत्तो को पकडकर टीकाकरण एवं बंधियाकरण की कार्यवाही भी की गई है। नगर पालिका द्वारा कुत्तो को पकड़ने का विशेष अभियान चलाकर 475 कुत्तों को पकड़कर शहर से बाहर जंगल में छोड़ा गया है। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति छाया जोशी द्वारा समस्त व्यवसायियों/नागरिकों एवं पशु मालिकों से अनुरोध किया है कि दुकानदार अपनी दुकानों के बाहर सामग्री नहीं रखे दुकान के अंदर ही व्यवसाय करें। ना ही दुकानों/मकानों के सामने कुडा करकट डाला जावे तथा पशु मालिक अपने पशुओं को उनके नियत स्थान/बाडे पर बांध कर रखे खुला ना छोडे। अन्यथा की जाने वाली अशोभनीय कार्यवाही एवं असुविधा से बचें।

विधायक श्री पाटीदार ने मोठापुरा में कृषक सुविधा केंद्र का किया लोकार्पण

खरगोन

क्षेत्रीय विधायक श्री बालकृष्ण पाटीदार द्वारा 16 जुलाई 2024 को वाटरशेड विकास प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत खरगोन विकासखंड की ग्राम पंचायत मोठापुरा में कृषक सुविधा केंद्र के भवन का लोकार्पण किया गया।

लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री जगदीश पटेल, जनपद अध्यक्ष खरगोन श्रीमती संतोषी, जनपद सदस्य के साथ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री आकाश सिंह, परियोजना अधिकारी श्री रमाकांत पाटीदार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद खरगोन श्री पवन शाह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद सेगांव डॉ. रीमा अंसारी एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

शासन द्वारा कृषकों की आय दुगनी एवं कृषि में उन्नत कृषि यंत्रीकरण के उपयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वाटर शेड परियोजना क्षेत्र में कृषक सुविधा भवन का निर्माण किया गया है। जिसका संचालन परियोजना द्वारा गठित गणगौर कृषक उत्पादक संगठन द्वारा किया जायेगा। लोकार्पण कार्यक्रम के साथ ही विधायक श्री पाटीदार द्वारा एक पौधा मां के नाम अभियान के तहत कृषकों एवम ग्रामीणों को पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया गया।

महिला श्रमिकों को दी सोशल मीडिया युग में दस्तावेजों के महत्व की जानकारी

बालाघाट

महिला केंद्रित मुद्दों पर जागरूकता और पहुँच बढाने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग ने मिशन शक्ति के तहत संकल्प हब फॉर एमपावेरमेंट ऑफ़ वुमन कार्यक्रम की शुरुआत 21 जून से की है। इस कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं पर आधारित विभिन्न नियमों, विषयों और आवश्यकताओं पर कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। यह कार्यक्रम विभिन्न वर्ग की महिलाओं के साथ होते है। मंगलवार को एक कार्यक्रम के बैहर के खुरमुंडी और लूद के मसियाटोला में किया गया। यहां निर्माण कार्यो में जुटी महिलाओं को सोशल मीडिया के दौर में उनके महत्वपूर्ण दस्तावेजों के सम्बंध में जानकारियां दी गई। इसमें आधार, समग्र, वोटर आईडी, बैंक इकेवायसी, आधार लिंक के बारे में बताया गया। साथ ही उन्हें यह भी बताया गया कि अनजान व्यक्ति को इस दस्तावेजों की जानकारी न दे। वहीं मोबाइल नम्बर पर आने वाले ओटीपी किसी के साथ साझा न करें। इससे फ्रॉड भी हो सकता है।कार्यक्रम जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री प्रशांत दीप सिंह ठाकुर, हब नोडल श्रीमती दीपमाला मंगोडिया के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में पाचवां सप्ताह में आयोजित किया गया। इसके अलावा वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पलाइन 181 की कार्य प्रणाली इत्यादि जानकारी उपस्थित महिला श्रमिकों को दी गई। साथ ही डी.बी.टी सक्षमता, पीएमएमवीवाई लाभार्थियों के साथ योजना से संबंधित चर्चा भी की गई।

मुर्तीजापुर मतदार संघ कर्तव्यदक्ष आमदार हरीश भाऊ पिंपळे यां या प्रयत्नांना यश

मिस्टर. पालकमंत्री राधाकृष्ण विखे पाटील यांनी अकोला जिल्हाधिकाऱ्यांना महिनाभरात जिल्ह्यात विखंडन कायदा लागू करून पाच सदस्य नियुक्त करण्याचे निर्देश दिले.

डॉ संजय चव्हाण । सिटी चीफ अकोला, अकोला जिल्हयातील गरीब व गरजु शेतकऱ्यांना जमिनीचे तुकडे पाडण्यास व एकत्रीकरण करण्यास निर्माण होणाऱ्या अडचणी संदर्भात मुर्तीजापुर विधानसभा मतदारसंघाचे लोकप्रिय आमदार मा. श्री. हरीषभाऊ पिंपळे व अकोला पूर्व चे लोकप्रिय आमदार मा.श्री.रणधीरभाऊ सावरकर यांची महाराष्ट्र रा'याचे महसूल मंत्री तथा अकोला जिल्ह्याचे पालकमंत्री मा. श्री. राधाकृष्ण विखे पाटील साहेब यांयासोबत आज बैठक झाली. या बैठकीत आमदार हरीषभाऊ पिंपळे यांया प्रयत्नांना यश आले असुन मा. पालकमंत्री राधाकृष्ण विखे पाटील यांनी जिल्हाधिकारी अकोला यांना पाच सदस्यांची नेमणूक करून एका महिन्याया आत अकोला जिल्ह्यात तुकडेबंदी कायदा लागू करण्याबाबत व कायद्याची अंमलबजावणी करण्याबाबत आदेशात केले आहे.

या निर्णयामुळे अकोला जिल्हयातील गरीब व गरजु शेतकऱ्यांना जमिनीचे तुकडे पाडण्यास व एकत्रीकरण करण्यास निर्माण होणाऱ्या अडचणी दूर होऊन शेतकऱ्यांना दिलासा देण्याचे काम मुर्तीजापुर विधानसभा मतदारसंघाचे आमदार श्री. हरीषभाऊ पिंपळे यांया माध्यमातून होत जिल्ह्यातील शेतकऱ्यांनी या निर्णयाबाबत आनंद व्यक्त केला आहे.

कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई का दायरा बढ़ा

डबरा, भितरवार व घाटीगांव के एसडीएम व्हीसी के जरिए जन-सुनवाई से जुड़े

ग्वालियर

कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में इस बार 217 आवेदकों की हुई सुनवाई

आम जन की समस्याओं का जल्द से जल्द निराकरण हो सके, इस उद्देश्य से तकनीक का इस्तेमाल कर कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई का दायरा बढ़ाया गया है। इस बार हुई कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए एसडीएम डबरा, भितरवार व एसडीएम घाटीगांव भी शामिल हुए। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने दूर-दराज से आए लोगों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिये जन-सुनवाई कक्ष से व्हीसी के जरिए संबंधित एसडीएम से चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में इस बार 217 आवेदक पहुँचे थे। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने जमीन के बटवारे, सीमांकन व रैरा से संबंधित कुछ प्रकरण अपने संज्ञान में लिए हैं। साथ ही जमीन संबंधी आवेदनों को समयबद्ध कार्यक्रम के तहत निराकृत करने के लिये संबंधित एसडीएम, तहसीलदार व नायब तहसीलदारों को लिखित में निर्देश दिए। उन्होंने इलाज के लिये सहायता की आस लेकर जन-सुनवाई में पहुँचे लोगों की बात ध्यानपूर्वक सुनी और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के माध्यम से इन सभी के इलाज का इंतजाम कराया। जन-सुनवाई में पहुँचे सभी आवेदकों की समस्याओं को कलेक्टर श्रीमती चौहान, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार व श्री टी एन सिंह सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने एक-एक कर सुना। साथ ही उनके आवेदनों के निराकरण की रूपरेखा तय की। जन-सुनवाई में प्राप्त 217 आवेदनों में से 98 दर्ज किए गए और शेष आवेदनों पर आवश्यक टीप दर्ज कर समय सीमा में निराकृत करने के लिये सीधे ही विभागीय अधिकारियों व संबंधित एसडीएम को दिए गए।

जन-सुनवाई में आए लोगों को वितरित की मलेरिया से बचाव की दवा ग्वालियर कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई लोगों की समस्याओं के समाधान के साथ-साथ उनकी सेहत का भी ध्यान रख रही है। कलेक्ट्रेट के जन-सुनवाई कक्ष के बाहर इस बार भी आयुष विभाग द्वारा होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर लगाकर 91 लोगों को निःशुल्क मलेरिया ऑफ 200 औषधि वितरित की गई। यह औषधि रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर मलेरिया से बचाव में महती भूमिका निभाती है। आयुष विभाग द्वारा लगाए गए होम्योपैथिक शिविर में जिला आयुष अधिकारी डॉ. मंगल सिंह यादव सहित डॉ. प्रेमलता कुशवाह, डॉ. भागसिंह कुशवाह एवं संजू शर्मा सहित आयुष विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारियों का सहयोग रहा।

डॉ संजय चव्हाण । सिटी चीफ बंजारा आरक्षण बचाव समिती या ग्रुपमधील गोर बंधू आणि भगिनींना माझा स्नेह नमस्कार मित्रांनो आपल्या बंजारा समाजातील वेगवेगळ्या अशा 147 ग्रुपमध्ये मी आहे. पहिली गोष्ट तर मला कोणालाही उद्देशून बोलायचं नाही आहे. सर्वांनी मिळून स्वर्गीय वसंतराव नाईक साहेब यांची 111 वी. जयंती एकदम थाटात म्हणजे कोणी 1000 वृक्ष लावले. कोणी वेगवेगळे कार्यक्रम घेतले. तर कोणी तांड्या तांड्यात डीजे लावून मिरवणूक काढली. आणि हे घेतलेले कार्यक्रम खरोखर स्तुती पद व बंजारा बांधवाचे कौतुक करावे तेवढे कमी आहे. परंतु 'या स्वर्गीय वसंतराव नाईक साहेब यांनी आपल्या बंजारा समाजासाठी आरक्षणाचे एक छोटेसे वृक्ष लावले होते. तो वृक्ष एवढा मोठा झालं आणि त्याचे फळ एवढे गोड होते. त्या झाडाचे गोड फळ खाऊन कोणी आपल्या बंजारा समाजामधून इंजिनियर झाले कोणी डॉक्टर झाले. कोणी सीईओ झाले. कोणी बीडीओ झाले. कोणी ष्ठस्नह झाले. कोणी डीवायएसपी झाले. कोणी डेप्युटी कलेक्टर झाले. कोणी क्कद्ध.क्कद्ध क्कस्द्ध झाले. तर हे कशामुळे स्वर्गीय वसंतराव नाईक साहेब यांनी लावलेल्या एका आरक्षणाया वृक्षामुळे जर हे वृक्ष स्वर्गीय वसंतराव नाईक साहेबांनी लावले नसते. तर 'या एसी या गाडीत आपण फिरतो. 'या एका छोट्याशा वृक्षामुळे आपला परिवार सुखी व समृद्ध आहे तर हे कशामुळे नाईक साहेबांनी लावलेल्या एका आरक्षणाया वृक्षामुळे.म्हणून जर हे लावलेले वृक्ष कोणी घुसखोरी करून तोडत असेल तर जे गोड फळ आपण खात आहोत. येणारी पिढी हे फळ चाकेल काय? हा प्रश्न आज कुठेतरी माझ्या मनाला सांगत आहे की स्वर्गीय वसंतराव नाईक साहेब जर स्वर्गातून पाहत असेल की मी अहोरात्र प्रयत्न करून माझ्या बंजारा समाजासाठी लावलेलं वृक्ष कोणीतरी घुसखोरी करून खात आहे. तर आपल्या बंजारा बांधवांनी साजरी केलेली 111 वी. जयंती आपण कितपत सत्यात उतरवत आहोत. म्हणून माझ्या गोर बांधवांनो आज परिस्थिती एवढी बिकट आहे की मी स्वतः 2017 ते 202× या कालावधीत माहितीया अधिकारात मागितलेल्या माहितीप्रमाणे आपल्या VJ() प्रवर्गात चोरीची संख्या ही 1. कोटी 70 लाख एवढी आहे. जर 2017 मध्ये विचार केला तर बोगस घुसखोरी करून लागणाऱ्यांची संख्या ही 10% आहे. आजया घडीचा विचार केला तर ही संख्या 60% एवढी आहे. जर 20×0 मध्ये ही संख्या 100% होण्यास वेळ लागणार नाही. म्हणून मित्रांनो आज पण वेळ गेलेली नाही. आपल्या बंजारा समाजात होणारी घुसखोरी जर कोणी थांबू शकेल किंवा समाजाला न्याय मिळवून देणारा वर्ग जर असेल तर तो म्हणजे तरुण आणि नोकरदार म्हणून आज सर्वांनी गिले शिकवे विसरून सर्वांना एकत्र काम करून स्वर्गीय वसंतराव नाईक साहेब यांना खरी श्रद्धांजली वाहिली पाहिजे असे माझे मत आहे.

जन सुनवाई सम्पन्न...

इन्दौर प्रति मंगलवार की तरह इस मंगलवार भी कलेक्टर कार्यालय में जन सुनवाई सम्पन्न हुई। जन सुनवाई में अपर कलेक्टर श्री गौरव बेनल सहित अन्य अधिकारियों ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और उनका मौके पर ही यथासंभव उनका निराकरण किया। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश पर सभी विभागीय अधिकारियों ने अपने-अपने कार्यालय कक्ष में बैठकर आवेदकों की समस्याओं को सुनकर उनका निराकरण किया। ऐसी समस्याएं जो मौके पर निराकृत नहीं हो सकी उनके लिए समय-सीमा तय कर निराकरण के निर्देश अधिकारियों की दिये गए। जन सुनवाई में आज कॉलोनियों में प्लाट संबंधी विवाद, अवैध कब्जे, पैसे के लेन-देन, पारिवारिक विवाद सहित अन्य मामले प्रमुख रूप से आये।

जम्मू में इस साल 11 हमले, देश का बड़ा नुकसान कर रहे आतंकी

जम्मू के सुरक्षित माने जाने वाले इलाकों को निशाना बना रहे आतंकवादी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद का जब भी जिक्र होता था तो दक्षिण कश्मीर को इसका गढ़ा माना जाता था। पुंछ, पुलवामा, अनंतनाग जैसे इलाकों में ही पहले आतंकवागी हमले होते थे, लेकिन इस साल नया ट्रेंड देखने को मिला है। पाकिस्तान परस्त और स्थानीय आतंकवादियों ने अब जम्मू के उन इलाकों को निशाना बनाना शुरू किया है, जो अब तक सुरक्षित माने जाते थे। ऐसे में यह सवाल भी उठता है कि आखिर क्यों आतंकवादी अब जम्मू इलाके को निशाना बनाने लगे हैं। इस साल अब आतंकवादियों ने जम्मू क्षेत्र में कुल 11 हमले किए हैं। इन आतंकी हमलों में 12 सुरक्षाकर्मी शहीद हो चुके हैं, जबकि 10 नागरिकों ने जान गंवाई है।

इन हमलों से निपटना कितना चुनौतीपूर्ण रहा है। इसे ऐसे समझा जा सकता है कि इन हमलों में महज 5 आतंकियों को ही ढेर करने में सफलता मिल सकी है। सुरक्षा एक्सपर्ट्स का कहना है कि इसकी वजह यह है कि आतंकवादियों ने नए इलाकों को टारगेट करना शुरू किया है, जहां की स्टडी सुरक्षा बलों की कम है। इसके अलावा कश्मीर में सुरक्षा बलों की भारी तैनाती के चलते भी आतंकवादी अब वहां सफल नहीं हो पा रहे हैं। ऐसे में उन्होंने जम्मू के इलाकों को टारगेट किया है। यही नहीं आतंकवादी जम्मू में हमले करके यह संदेश देना चाहते हैं कि उनकी जद में पूरा केंद्र शासित प्रदेश है।

राजौरी में 22 अप्रैल को हमला आतंकवादियों ने राजौरी जिले के कुंडा टोपे निवासी सरकारी कर्मचारी मोहम्मद रजाक की गोली मारकर हत्या कर दी थी। वह टेरिटोरियल आर्मी के एक जवान के भाई थे।

डिफेंस गार्ड का कत्ल उधमपुर के चोचरू गाला की पहाड़ियों पर स्थित बसंतगढ़ इलाके में आतंकियों से मुठभेड़ में गांव के डिफेंस गार्ड मोहम्मद शरीफ मारे गए थे। यह घटना 28 अप्रैल की है।

एयरफोर्स के जवान की हत्या आतंकवादियों ने 4 मई को इंडियन एयरफोर्स के जवान विक्की पहाड़े का कत्ल कर दिया था और 4 जांबाज जख्मी हुए थे। यह घटना सुरनकोट की है, जब आतंकवादियों ने घात लगाकर काफिले पर हमला किया था।

तीर्थयात्रियों की बस पर हमला आतंकवादियों ने 9 जून को रियासी में तीर्थयात्रियों से भरी बस पर हमला बोल दिया था। इस हमले में 9 लोगों की मौत हो गई थी और 42 लोग जख्मी हुए थे। इस हमले के चलते बस पहाड़ी से नीचे खाई में गिर गई थी। इसमें कटरा से शिवखोड़ी जा रहे तीर्थयात्री सवार थे।

11 जून को पुलिस चौकी पर हमला भद्रवाह के छतरगाला में आतंकियों ने सुरक्षा चौकी पर हमला बोला था। इस हमले में 5 सैनिक और एक पुलिस कर्मी घायल हो गए थे।

सीआरपीएफ जवान का कत्ल एक दिन ही गुजरा होगा कि 11 और 12 जून की रात को दो आतंकवादियों ने सीआरपीएफ के जवान कबीर दास का कत्ल कर दिया। कठुआ जिले के हीरानगर गांव में हुई इस घटना में एक नागरिक घायल भी हुआ था। यह गांव पाकिस्तान और भारत की सीमा के नजदीक है।

पुलिस पार्टी पर आतंकी हमला अगले ही दिन 12 जून को आतंकियों ने डोडा जिले के कोटा टोप इलाके में पुलिस पार्टी पर हमला कर दिया था। इस अटैक में हेड कॉन्स्टेबल फरीद अहमद जख्मी हो गए थे।

तीन आतंकवादियों मुठभेड़ में मारे गए सुरक्षा बलों की 26 जून को डोडा के गंदोह इलाके में आतंकियों से मुठभेड़ हुई थी। इसमें सुरक्षा बलों ने तीन आतंकवादियों को मार गिराया था।

सुरक्षा चौकी पर 7 जुलाई को हमला राजौरी जिले के मंजाकोट इलाके में आतंकियों ने सुरक्षा चौकी पर हमला बोल दिया था। इसमें सेना का एक जवान घायल हो गया था।

जेसीओ समेत 5 सैनिक 8 जुलाई को शहीद 8 जुलाई को एक जेसीओ समेत 5 सैनिक शहीद हो गए थे। आतंकवादियों ने झाड़ी में छिपकर हमला बोला था। इस भीषण हमले को कठुआ जिले के बडनोटा में अंजाम दिया गया था।

डोडा में 16 जुलाई को फिर भीषण आतंकी हमला भीषण हमले को हुए करीब एक सप्ताह का वक्त ही बीता था कि डोडा जिले के डेसा में आतंकवादियों ने 16 जुलाई को हमला बोल दिया। इस अटैक में एक सेना का अफसर और तीन सैनिक मारे गए।

..चीन ने ताजिकिस्तान में बनाया गुप्त सैन्य अड्डा, भारत की बढ़ी टेंशन

आतंकी खतरों से निपटने के लिए भारत ने शुरू किया था एयर बेस

नई दिल्ली। चीन ने ताजिकिस्तान में एक पूरा सीक्रेट आर्मी बेस तैयार कर लिया है। चीन का यह आर्मी बेस पाकिस्तान के कब्जे वाले पीओके के नजदीक स्थित है। यहीं से चीन का बीआरआई प्रोजेक्ट के तहत चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) गुजरता है। चीन की इस कार्रवाई से भारत की चिंता बढ़ गई है। चीन का यह सैन्य अड्डा 13,000 फीट की ऊंचाई पर एक सुदूर पहाड़ी क्षेत्र में स्थित है, जिसमें वॉच टावर भी हैं और यहां चीन के सैनिकों की तैनाती भी है। सैटेलाइट तस्वीरों में खुलासा हुआ है कि सैन्य अड्डे तक पहुंचने के लिए चीन ने सड़क भी बनाई है। कहा जा रहा है कि अगस्त 2021 में अफगानिस्तान में हालात बिगड़ने के बाद से चीन इसका इस्तेमाल कर रहा है।

पिछली तालिबान सरकार में पाकिस्तानी आतंकवादियों ने इंडियन एयरलाइंस का विमान हाईजैक किया था, जिसे बाद में अफगानिस्तान के कंधार ले जाया गया था। इस घटना के लगभग दो साल बाद, आतंकी खतरों से निपटने के लिए भारत ने देश के बाहर अपना पहला एयरबेस खोलने के लिए ताजिकिस्तान में आयनी प्रोजेक्ट शुरू किया था। 2002 में, विदेश मंत्रालय और खुफिया विभाग ने अयनी प्रोजेक्ट शुरू किया था। बाद के सालों में इसे भारतीय वायु सेना बेस के रूप में विकसित किया गया, गिसार मिलिट्री एयरोड्रोम के रूप में जाना जाता है। यह बेस ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे से कुछ ही दूर स्थित आयनी गांव में है और भारत और ताजिकिस्तान संयुक्त रूप से इसका प्रबंधन करते हैं। हालांकि, भारत ने ताजिकिस्तान में अपने एयरबेस को काफी लो प्रोफाइल रखा है और बेहद कम लोगों को इस एयरबेस के बारे में जानकारी है।

वाखान कॉरिडोर के नजदीक है अयनी एयरबेस साल 2022 में जब फिर से काबुल पर तालिबान काबिज हुए थे, तो भारत के ताजिकिस्तान स्थित इसी एयरबेस से भारतीय और नेपाली नागरिकों को निकालने के लिए हवाई सेवाएं शुरू की गईं थीं। अयनी एयरबेस को 2005-06 के आसपास शुरू किया गया। 2002 और 2010 के बीच भारत ने एयर बेस के नवीनीकरण, रनवे को 3200 मीटर बढ़ाने और एडवांस नेविगेशनल और एयर डिफेंस इक्विपमेंट लगाने के लिए 70 मिलियन डॉलर का खर्च किया था। 2014 के बाद भारत ने अयनी एयरबेस पर सुखोई 30टडक जैसे लड़ाकू विमानों की अस्थायी तौर पर तैनाती भी की थी। लेकिन बाद में इस एयरबेस को बंद कर दिया गया। शीत युद्ध के दौरान अयनी क्षेत्र में सोवियत सेना के लिए प्रमुख अड्डा था। वहीं भारत के लिए अयनी एयरबेस का अपना रणनीतिक महत्व है, क्योंकि यह वाखान कॉरिडोर के नजदीक है, जो अफगानिस्तान को चीन और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (गिलगित-बाल्टिस्तान) क्षेत्र से जोड़ता है। हालांकि भारतीय वायु सेना अभी भी ताजिक सैन्य कर्मियों के लिए दक्षिण ताजिकिस्तान के कुर्गन टेप्पा में एक छोटा सा अस्पताल चलाती है।

चीन के बहकावे में है ताजिकिस्तान पिछले कुछ सालों से चीन और ताजिकिस्तान एक-दूसरे के नजदीक आ रहे हैं। चीन ताजिकिस्तान को गोला-बारूद और तकनीक भी मुहैया करा रहा है। वहीं ताजिकिस्तान सैन्य गतिविधियों के लिए जमीन देकर और चीनी को पर्यटन और आईटी क्षेत्र में भागीदारी की अनुमति देकर इसका अहसान चुका रहा है। ताजिकिस्तान इन दिनों पूरी तरह से चीन के बहकावे में है। हाल ही में चीनी आतंकवाद विरोधी नीति के अनुसार, ताजिक अधिकारियों ने पिछले महीने हिजाब को गैरकानूनी घोषित कर दिया। सैकड़ों मस्जिदें बंद कर दी गईं। आदेश जारी किए गए कि इमामों द्वारा दी जाने वाली शिक्षाएं राज्य द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अंतर्गत होनी चाहिए और नाबालिगों को बिना अनुमति के पूजा स्थलों में प्रवेश की आज्ञा नहीं है।

चीन और ताजिकिस्तान के बीच 477 किलोमीटर लंबी सीमा हाल में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग दुशांबे गए थे, जहां उन्होंने चीन के फंड से तैयार सरकारी सुविधाओं का उद्घाटन किया। जिसमें एक राष्ट्रपति भवन और वाशिंगटन में अमेरिकी कैपिटल की तर्ज पर बनाया गया एक नया संसद भवन भी शामिल है। दोनों देश ताजिकिस्तान के गोर्नो बदख्शां स्वायत्त क्षेत्र और चीन के झिंजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र के बीच 477 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं। सोवियत शासन के तहत, सोवियत समाजवादी ताजिक गणराज्य, जिसकी सीमाएं 1920 के दशक में खींची गई थीं, के चीन के साथ सीमित संबंध थे। उस दौरान चीन और ताजिकिस्तान के बीच सीमाएं सील कर दी गई थी। 1980 के दशक के अंत में ही सीमा पार व्यापार शुरू हुआ और धीरे-धीरे बढ़ा। हालांकि ताजिकिस्तान गणराज्य और पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के बीच राजनयिक संबंध 4 जनवरी 1992 को स्थापित किए गए थे। यहां तक कि ताजिक गृह युद्ध (1992-97) के दौरान दोनों देशों के बीच बातचीत सीमित थी। युद्ध के बाद द्विपक्षीय संबंध धीरे-धीरे प्रगाढ़ हुए, क्योंकि 2000 के दशक के मध्य से निवेश, लोन और आपसी द्विपक्षीय वाताओं ने गति पकड़ी। दोनों देशों ने पहले शंघाई फाइव की छत्रछाया में और बाद में शंघाई सहयोग संगठन के तहत बातचीत की।

ताजिकिस्तान में लगभग 400 चीनी कंपनियां 2010 के दशक में बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव शुरू होने पर दोनों के बीच द्विपक्षीय बातचीत में तेजी आई। सितंबर 2020 में ताजिकिस्तान में फेडरेशन ऑफ ओवरसीज चाइनीज के सचिव ने एक साक्षात्कार में बताया था कि आज ताजिकिस्तान में लगभग 400 चीनी सरकारी और निजी कंपनियां सक्रिय हैं। कई चीनी प्रवासी श्रमिक ताजिकिस्तान में रहते हैं। चीनी मीडिया के अनुसार, ताजिकिस्तान इफक में शामिल होने वाले पहले देशों में से एक था। सूत्रों ने बताया कि 2019 में पहली बार खुलासा हुआ था कि चीन ने ताजिकिस्तान के पूर्वी गोर्नो बदख्शां क्षेत्र में एक सैन्य अड्डा बना रखा है। न तो चीन और न ही ताजिकिस्तान ने इस अड्डे के अस्तित्व या ताजिकिस्तान में चीनी सैनिकों की मौजूदगी को स्वीकार किया। वहीं अक्तूबर 2021 में, ताजिक संसद ने ताजिकिस्तान की अफगानिस्तान सीमा के नजदीक बदख्शां क्षेत्र में एक और चीनी अड्डे के निर्माण को मंजूरी दे दी। मीडिया में कहा गया कि इस अड्डे पर ताजिक सैनिक तैनात होंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

सीएम ममता बनर्जी को हाई कोर्ट की दो टूक

आप गवर्नर पर अपमानजनक बयान नहीं दे सकते

कोलकाता। कलकत्ता हाई कोर्ट ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ममता बनर्जी के राज्यपाल सीवी आनंद बोस के खिलाफ अपमानजनक या गलत बयान देने को लेकर आपत्ति जताई। अदालत ने कहा कि स्वतंत्रता के अधिकार के नाम पर कोई संवैधानिक पद पर बैठे किसी व्यक्ति के खिलाफ ऐसे गलत शब्दों का प्रयोग नहीं कर सकता।

कलकत्ता हाई कोर्ट की यह टिप्पणी सीएम ममता बनर्जी द्वारा अपने उस बयान को बरकरार रखने के एक दिन बाद आई है। ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा था कि महिलाओं ने कोलकाता में राजभवन में जाने को लेकर भय जताया था। ममता ने खुद पर और टीएमसी के अन्य नेताओं के खिलाफ दायर मानहानि के मुकदमे में एक अंतरिम आदेश के लिए राज्यपाल सी वी आनंद बोस की ओर से कलकत्ता उच्च न्यायालय के समक्ष दाखिल याचिका का विरोध भी किया।

राज्यपाल बोस हाई कोर्ट पहुंचे

राज्यपाल आनंद बोस ने हाई कोर्ट से ममता बनर्जी, दो नवनिर्वाचित विधायकों और टीएमसी की एक अन्य नेता को राजभवन में कथित घटनाओं के संबंध में आगे कोई टिप्पणी करने से रोकने का अनुरोध किया है। इस पर बनर्जी के वकील एस एन मुखर्जी ने न्यायमूर्ति कृष्ण राव के समक्ष दलील दी थी कि सीएम ममता की टिप्पणी जनहित के मुद्दों पर एक निष्पक्ष टिप्पणी थी और मानहानिकारक नहीं थी।

हाई कोर्ट ने क्या कहा

कलकत्ता हाई कोर्ट ने टिप्पणी की कि आनंद बोस एक संवैधानिक प्राधिकारी हैं और वह सोशल मीडिया प्लेटफार्मों का उपयोग करके व्यक्तिगत हमलों का मुकाबला नहीं कर सकते। अदालत ने कहा कि स्वतंत्रता के अधिकार के नाम पर, कोई मानहानिकारक बयान नहीं दे सकता है और किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को धूमिल नहीं कर सकता है।

खैबर पख्तूनख्वा में सैन्य छावनी पर हुआ हमला, जवाबी कार्रवाई में 10 आतंकी मारे गए

आतंकी हमले में आठ पाकिस्तानी जवानों की मौत

खैबर पख्तूनख्वा। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक सैन्य छावनी पर सोमवार को 10 आतंकियों द्वारा हमला करने की घटना सामने आई है। इस हमले में पाकिस्तानी सेना के आठ जवान मारे गए। पाकिस्तानी सेना ने इस बारे में मंगलवार को जानकारी दी। सेना ने यह भी बताया कि जवाबी कार्रवाई में सभी 10 आतंकी भी मारे गए। सेना द्वारा जारी बयान के मुताबिक, सोमवार को आंतकियों के समूह ने बन्नू छावनी में घुसने की कोशिश की। इस दौरान उन्होंने छावनी पर हमला भी कर दिया। सुरक्षा बलों ने आतंकियों को जबदस्त टक्कर देते हुए उनके हमले को प्रभावी ढंग से विफल कर दिया। इस कार्रवाई में 10 आतंकी और आठ सेना के जवान मारे गए। सेना ने बताया कि आतंकियों ने विस्फोटक से भरे वाहन को छावनी की दीवार टक्कर मारी थी, जिसके कारण दीवार का एक हिस्सा ढह गया।

हसीना सरकार के खिलाफ गुस्सा

बांग्लादेश में युवाओं का नौकरी में कोटा को लेकर बड़ा प्रदर्शन

ढाका। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार के खिलाफ लोग सड़कों पर उतर आए हैं। लोग सरकारी नौकरियों में दिए जाने वाले कोटा के सिस्टम से नाराज हैं। पुलिस का बताया है कि बांग्लादेश की सत्तारूढ़ पार्टी के प्रति वफादार लोगों और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़पों में कम से कम 100 लोग घायल हो गए हैं। यह आरोप है कि मौजूदा कोटा सिस्टम से सरकार के करीबियों को ही फायदा पहुंचता है और इसे तुरंत खत्म करने की मांग की गई है। पुलिस और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सैकड़ों प्रदर्शनकारियों और सत्तारूढ़ अवामी लीग पार्टी का समर्थन करने वाले छात्रों ने सोमवार को ढाका विश्वविद्यालय परिसर में घंटों तक झड़प होती रही। इस दौरान लोगों ने एक-दूसरे पर पत्थर फेंके, लाठियां चलाई और लोहे की छड़ों से एक-दूसरे को पीटा भी।

घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने बताया कि कुछ लोगों के पास कुल्हाड़ी थी जबकि कुछ ने पेट्रोल बम भी फेंके। पुलिस अधिकारी मुस्तजीरुर रहमान ने एएफपी को बताया, ह्वे लाठियों से भिड़ गए और एक-दूसरे पर पत्थर फेंके।ह्व इन प्रदर्शनों को राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित करने वाले नाहिद इस्लाम ने कहा कि वह लोग शांतिपूर्ण तरीके से जुलूस निकाल रहे थे, लेकिन उन पर लोगों ने डंडों और पत्थरों से हमला कर दिया। उन्होंने कहा, ह्वउन्होंने हमारी महिला प्रदर्शनकारियों को पीटा। 30 महिलाओं सहित कम से कम 150 छात्र घायल हो गए और 20 छात्रों की हालत गंभीर है।ह्व एक घायल छात्रा शाहीनूर शुमी ने कहा कि हम हैरान थे। उन्होंने कहा, ह्वहम अपना जुलूस शांतिपूर्ण तरीके से निकाल रहे थे। अचानक, स्टूडेंट लीग [सत्तारूढ़ पार्टी की छात्र शाखा] ने हम पर लाठी, कुल्हाड़ी, लोहे की छड़ और ईंटों से हमला कर दिया। शेख हसीना ने प्रदर्शनकारियों की तुलना रजाकार से क वहीं सरकार इस मामले पर अपना रुख साफ कर चुकी है। विदेश मंत्री हसन महमूद ने कहा है कि युवाओं की भावनाओं का इस्तेमाल करके कोटा विरोधी आंदोलन को देश विरोधी आंदोलन में बदलने की कोशिश की जा रही है। वहीं प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा है कि कोटा शीर्ष अदालत का मामला है। हसीना ने कथित तौर पर प्रदर्शनकारियों की तुलना रजाकार लड़ाकों से की है जिन्होंने आजादी की लड़ाई के दौरान पाकिस्तानी सेना का साथ दिया था। इसके बाद प्रदर्शन और उग्र हो गए हैं। खबरों के मुताबिक बांग्लादेश में हजारों छात्रों द्वारा विरोध प्रदर्शन रविवार रात को शुरू हुआ था। यह सोमवार को भी जारी रहा। छात्रों ने रविवार रात को कई विश्वविद्यालयों में मार्च किया। पुलिस ने बताया कि कई निजी विश्वविद्यालयों के सैकड़ों छात्र

ढाका में विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए और अमेरिका के दूतावास के पास चार घंटे तक ट्रैफिक को भी रोके रखा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569